PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 08 ● भिलाई, बुधवार 22 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान बॉर्डर पर प्रमुख सुन्नी धर्मगुरु की सरेआम गोली मारकर हत्या

मिर्जावेह। एक तरफ ईरान इन दिनों अमेरिका के साथ सीधे और भीषण सैन्य टकराव में उलझा हुआ है, तो वहीं दूसरी तरफ देश के भीतर एक बड़ी खूनी वारदात ने सनसनी फैला दी है। पाकिस्तान की सीमा से सटे ईरान के दक्षिण-पूर्वी शहर मिर्जावेह में एक प्रमुख सुन्नी धर्मगुरु मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की अज्ञात बंदूकधारियों ने सरेआम हत्या कर दी है। मौलवी अनवर इस शहर में हर शुक्रवार को होने वाली नमाज के इमाम थे। शिया बहुल देश ईरान में यह सनसनीखेज वारदात सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में हुई है, जहां सुन्नी बलूच आबादी बहुतायत में रहती है। ईरान के सरकारी मीडिया ने स्थानीय प्रशासन के हवाले से इस निर्मम हत्याकांड की पुष्टि की है। सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत की गिनती ईरान के सबसे गरीब और अशांत इलाकों में होती है। यह क्षेत्र लंबे समय से इस्लामी या जातीय उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच खूनी संघर्ष का गवाह रहा है। इस हाई-प्रोफाइल हत्या के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि इस जानलेवा हमले का मुख्य मकसद देश की आंतरिक सुरक्षा को अस्थिर करना और प्रांत में सांप्रदायिक मतभेदों की आग को भड़काना है। फिलहाल पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और प्रशासन ने स्थानीय लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

फर्जी आयकर अधिकारी सहित चार गिरफ्तार

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र के गोपालापुर बाजार स्थित एक सर्राफ़ दुकान पर आयकर विभाग का अधिकारी बनकर छापेमारी के नाम पर लूट की कोशिश करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से फर्जी आयकर विभाग की आईडी, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मोबाइल फोन तथा फर्जी नंबर प्लेट लगी बोलेरो वाहन बरामद की है। गिरोह का एक आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे।

पीएम आवास पर मार्च के बाद धरने पर बैठे राहुल-प्रियंका

मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग....पुलिस ने किया डिटेन

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कांग्रेस नेताओं के साथ प्रधानमंत्री आवास के पास धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। राहुल गांधी समेत अन्य कांग्रेस के नेता केंद्रीय मंत्री शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं को मनाने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह पहुंचे। जितेंद्र सिंह को राहुल गांधी से थोड़ी देर बातचीत करते देखा गया। जितेंद्र सिंह ने कांग्रेस नेताओं से धरना प्रदर्शन करने की अपील की। हालांकि राहुल गांधी जितेंद्र सिंह की बात नहीं मानी और अभी भी प्रदर्शन जारी है। केंद्र सरकार की तरफ से कांग्रेस को ऑफर दिया गया कि सरकार बुधवार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन कांग्रेस शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और छात्रों पर लाठी चार्ज के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही है। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस ने केंद्र सरकार से मांग की है कि धर्मेंद्र प्रधान का तत्काल इस्तीफा हो और गृह मंत्री दोनों सदनों में बयान दें। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी से मिलने के बाद केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बीजेपी के बड़े नेताओ को कांग्रेसियों द्वारा किए जा रहे धरने को लेकर जानकारी दी है। राहुल गांधी के साथ धरना प्रदर्शन में केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीसन, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, प्रियंका गांधी समेत कई सीनियर नेता मौजूद हैं। धरना प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहे। बाद में पुलिस

खड़गे को कार में लेकर गई। हिरासत में लिए गए कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने बस के अंदर से कहा, हमारे छात्रों पर बहुत बेरहमी से हमला किया गया। माननीय पीएम कुछ नहीं कह रहे हैं, गृह मंत्री अमित शाह कुछ नहीं कह रहे हैं, इसीलिए लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के कांग्रेस सांसद विरोध कर रहे हैं। बता दें कि कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन दिल्ली में सोमवार को प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़ा को लेकर हो रहा है। कांग्रेस का कहना है कि देश के युवाओं के साथ हुई इस बर्बरता के लिए प्रधानमंत्री मोदी को माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत के दौरान सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि देश का छात्र कह रहा है- हमारा कोई भविष्य नहीं और इस सरकार के मंत्री कह रहे हैं- हमारी कुर्सी नहीं जाएगी। जिस देश में छात्र भविष्य खो दे और मंत्री कुर्सी न खोए, वहां न्याय है ही नहीं। लोक कल्याण मार्ग पर विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हिरासत में लिए जाने पर पंजाब कांग्रेस कैंपेन कमेटी के चेयरमैन और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने नारा लगाया, जब-जब मोदी डरता है पुलिस को आगे करता है।

लोकसभा स्पीकर से मिले विपक्ष के सांसद

इसके पहले राहुल गांधी ने अपने एक्स हैंडल से लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज विपक्ष के एमएसपी के साथ लोकसभा स्पीकर से मिले। हमारी मांग सीधी है- पार्लियामेंट में कल स्टूडेंट्स पर हुई बेरहमी और एग्जाम की मुश्किल के लिए सरकार की पूरी तरह से गैर-जिम्मेदारी पर डिटेल में चर्चा होनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि स्टूडेंट्स को उनके अपने भविष्य के बारे में सही सवाल पूछने पर पीटा गया। अगर पार्लियामेंट भारत के युवाओं के भविष्य पर चर्चा नहीं कर सकती तो वह किस काम की? विपक्ष इसे दबने नहीं देगा। हम यह पक्का करेंगे कि स्टूडेंट्स की आवाज सड़कों पर और पार्लियामेंट में सुनी जाए।

दिल्ली में बवाल के बाद अस्पताल पहुंचे नड्डा

घायल प्रदर्शनकारियों से की मुलाकात,डॉक्टरों से की बात

नई दिल्ली/ एजेंसी

राजधानी दिल्ली में बिते दिन कॉंकरोच जनता पार्टी समर्थक और छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान दिल्ली पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई जगहों पर झड़पे भी हुई। इसी बीच आज केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा घायल प्रदर्शनकारियों से मिलने अस्पताल पहुंचे। नड्डा ने डॉक्टरों की टीम से बात भी की। जेपी नड्डा मंगलवार को घायलों से मिलने दिल्ली के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले घायल प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टरों की उस टीम से भी मुलाकात की, जो घायलों का इलाज कर रही है। नड्डा ने इससे पहले सोमवार को सरकार की ओर से सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका से भी मुलाकात करते हुए उनकी मांगों को सुना था। सोमवार को युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद की ओर मार्च किया था। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने भीड़ को संसद की ओर बढ़ने से रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया था। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान कई प्रदर्शनकारी बुरी तरह से घायल हो गए थे। वहीं कई पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई थी। पुलिस कार्रवाई से गुस्साई भीड़ ने कई जगहों पर तोड़फोड़ भी की थी। दिल्ली के कॉनटप्लेस से लेकर जनपथ तक सड़कों पर पत्थर बिखरे दिखे। छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है।

जलवायु संकट और बढ़ते संघर्ष से विश्व धरोहरों पर मंडरा रहा खतरा-यूनेस्को

बुसान। यूनेस्को ने जलवायु परिवर्तन और बढ़ते संघर्ष के बीच वैश्विक धरोहरों पर मंडराते खतरे का उल्लेख किया। शीर्ष अधिकारियों ने जलवायु परिवर्तन और सशस्त्र संघर्षों से विश्व की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को लेकरवैश्विक जागरूकता' और सामूहिक स्तर पर निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी शहर बुसान में आयोजित वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी (विश्व धरोहर समिति) के 48वें सत्र के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में यूनेस्को के संस्कृति मामलों के सहायक महानिदेशक नायेफ अल-फायेज ने कहा कि विश्व धरोहर स्थलों का लगातार हो रहा विनाश पूरी वैश्विक समुदाय पर मिलकर समाधान खोजने की बड़ी जिम्मेदारी डालता है।

दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश

सोनम वांगचुक को इलाज के लिए मेदांता अस्पताल भेजें....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट ने सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर एक बहुत ही अहम और बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने सरकार को सख्त निर्देश दिया है कि वांगचुक को इलाज के लिए तुरंत मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। अदालत ने मेदांता अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया है कि वह वांगचुक के उचित इलाज के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों का एक पैनल बनाए। उनकी अब तक की सभी मेडिकल रिपोर्ट भी इस नए पैनल को तुरंत सौंपी जानी चाहिए। वांगचुक को अपनी पसंद का अस्पताल और डॉक्टर चुनने का पूरा कानूनी अधिकार दिया गया है। यह फैसला वांगचुक के समर्थकों और उनके परिवार के लिए एक बहुत बड़ी और अहम राहत लेकर आया है। इस अहम मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने हाई कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार को उन्हें मेदांता अस्पताल भेजने पर कोई भी आपत्ति नहीं है। हालांकि, सरकार की तरफसे एक बहुत ही बड़ी और सख्त शर्त रखी गई है कि उन्हें मेडिकल सलाह के खिलाफ डिस्चार्ज नहीं होना चाहिए। सरकार का स्पष्ट मानना है कि उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य सबसे ऊपर है।

उद्धव ठाकरे पहुंचे सुप्रीम कोट

बागी सांसदों को लेकर ओम के फैसले को दी चुनौती

महाराष्ट्र की राजनीति में जारी घमासान अब एक बार फिर देश की सर्वोच्च अदालत की चौखट पर पहुंच गया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के 6 सांसदों को लिए गए फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। ओम बिरला ने उद्धव ठाकरे गुट के 6 सांसदों का उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय मंजूर कर लिया गया था। मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ के सामने इस संवेदनशील मामले का उल्लेख किया। अधिवक्ता कामत ने पीठ से मामले की गंभीरता को देखते हुए याचिका को तत्काल बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए कहा,हम देखेंगे।

150 साल बाद अमेरिका में बना अनोखा रिकॉर्ड पत्नी उषा ने दिया बेटे को जन्म

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा वेंस के घर एक नन्हे मेहमान का आगमन हुआ है। दंपति ने चौथी बार माता-पिता बनने का गौरव हासिल किया है। इस बेटे के जन्म के साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नाम एक बेहद अनोखा और ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अमेरिकी इतिहास में पिछले 150 से अधिक वर्षों में यह पहला मौका है, जब पद पर रहते हुए किसी मौजूदा उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। इस सुखद समाचार के सामने आने के बाद से ही वैश्विक स्तर पर दंपति को बधाइयाँ मिलने का सिलसिला शुरू हो गया है।

भारतीय सेना की हुई तैनाती

असम में बाढ़ से हालात खराब,अब तक 5 की मौत और 3.63 लाख लोग प्रभावित...

असम। असम में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति बहुत ही ज्यादा भयानक और बेकाबू हो गई है। पूरे राज्य में प्रमुख नदियां उफान पर हैं और कई इलाकों में सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। इस प्राकृतिक आपदा से लोगों का दैनिक जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। सरकार और स्थानीय प्रशासन की टीमें लगातार अपने राहत कार्यों में पूरी मुस्तैदी से लगी हुई हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार अब तक 15 जिलों में करीब 3.63 लाख लोग प्रभावित हैं। रविवार को यह आंकड़ा केवल सात जिलों में 57,100 था जो सोमवार को बारिश के बाद अचानक बहुत तेजी से बढ़ गया। नदियों का लगातार जलस्तर बढ़ने से स्थिति दिन प्रतिदिन और भी ज्यादा चिंताजनक हो रही है। प्रशासन द्वारा फंसे हुए लोगों को तुरंत निकालकर पूरी तरह से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। सरकारी बुलेटिन के मुताबिक इस साल आई भयानक बाढ़ में अब तक 5 लोगों की दर्दनाक मौत हुई है। वर्तमान समय में राज्य के विभिन्न हिस्सों में कुल 580 गांव पूरी तरह से बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं। इसके अलावा किसानों की 10,362.9 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को पानी भरने से बहुत भारी नुकसान पहुंचा है। तेज पानी से कई इलाकों के तटबंध, पक्की सड़कें और पुल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राज्य की प्रमुख ब्रह्मपुत्र नदी नेमाटीघाट इलाके में इस समय खतरे के निशान से बहुत ऊपर बह रही है। इसकी प्रमुख सहायक नदियां जैसे खोवांग में बुरीदिहिंग और शिवसागर जिले में दिखौ नदी भी भारी उफान पर हैं। नांगलामुराघाट में दिसांग और नुमालीगढ़ में धनसिरी नदी का जलस्तर भी खतरे के स्तर को पार कर चुका है।

एक घंटे में संसद की कार्यवाही दो बार स्थगित

देश अराजकता की ओर,सदन में बोलने नहीं,नीट प्रोटेस्ट पर मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार को घेरा..

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट पेपर लीक को लेकर संसद से सड़क तक घमासान मचा है। नीट पेपर लीक पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की मांग को लेकर कॉंकरोच जनता पार्टी ने प्रदर्शन तेज कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ इसे लेकर विपक्ष संसद में हंगाम कर रहा है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी और नीट पेपर लीक के मुद्दे को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन की लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई है। विपक्ष ने नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग पर अड़ा है। नीट पेपर लीक के मुद्दे पर सियासी संग्राम छिड़ा है। जंतर-मंतर पर जारी छात्रों के प्रोटेस्ट और संसद मार्च की तैयारियों के बीच विपक्ष भी आक्रामक हो गया है। विपक्षी दलों ने मानसून सत्र के दूसरे दिन भी इस मुद्दे को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन में दूसरे दिन भी यह मुद्दा उठाया। खरगे ने कहा कि देश अराजकता की ओर, सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कल एक घटना हुई। उन्होंने कहा कि उस घटना में हमारे जो छात्र पेपर लीक और नीट परीक्षा को लेकर आवाज उठा रहे हैं, उनके ऊपर लाठीचार्ज किए। आंसू गैस के गोले दागे, उनको मारा। खड़गे ने कहा कि आज कई हॉस्पिटल में हैं, सुनना चाहिए। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद बाहर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा हैहमने

संसद में अन्याय, उत्पीड़न और बनाए जा रहे दबाव के मुद्दे को उठाने का समय मांगा था। लेकिन जैसे ही मैंने बोलना शुरू किया, मेरा माइक बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि चर्चा करने का मौका दो। हम चाहते हैं कि इस पर बात हो कि क्यों छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। सरकार खुद उकसा रही है कि देश में अराजकता हो और फिर लाठीचार्ज किया जाए। मारा जाए और डराकर उनको जेल में डाला जाए। खरगे ने कहा कि ये अराजकता जनता या विपक्ष नहीं, सरकार कर रही है।राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि कल सांसदों को जेल की तरह अंदर रखा गया। जब सांसदों को सुरक्षा नहीं है, तो किसको है।

संजय राउत का बड़ा हमला

किसान दिल्ली आएंगे तो सरकार संसद से भागने पर मजबूर हो जाएगी

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार के खिलाफ एक बार फिर तीखा मोर्चा खोला है। किसानों के दिल्ली मार्च, नीट पेपर लीक मामले और पार्टी के 6 सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना में आधिकारिक विलय जैसे देश के प्रमुख ज्वलंत मुद्दों को लेकर राउत ने केंद्र सरकार की नीतियां और मंशा पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार पूरी तरह से किसान, युवा और देश की शिक्षा व्यवस्था की अनदेखी करने में जुटी है। किसानों के दिल्ली मार्च पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय राउत ने कहा कि यह सरकार किसान विरोधी और मजदूर विरोधी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए काम कर रही है और उसे न किसानों की चिंता है और न ही युवाओं की। जब खासकर पंजाब के किसान दिल्ली पहुंचेंगे, तब यह सरकार संसद से भागने पर मजबूर हो जाएगी।

150 सीट वाले कस्तूरबा छात्रावास में फूड पाइजनिंग की दस्तक

बरसात की पहली बारिश में बीमार पड़ीं चार बच्चियां, स्वच्छता व्यवस्था की खुली पोल

कवर्धा। जिले में बरसात की शुरुआत के साथ ही फूड पाइजनिंग का पहला मामला सामने आने से छात्रावासों की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विकासखंड पंडरिया के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका छात्रावास, दुल्लापुर बाजार में चार छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंडरिया में भर्ती कराना पड़ा। घटना ने छात्रावास प्रबंधन की लापरवाही और स्वच्छता व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी है। जानकारी के अनुसार, छात्राओं को उल्टी, पेट दर्द और कमजोरी की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने छात्राओं की स्थिति सामान्य बताई है, लेकिन सवाल छात्रावास की भोजन और स्वच्छता व्यवस्था को

लेकर उठ रहे है। लगभग 150 सीट क्षमता वाले इस छात्रावास में रह रही बच्चियों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी प्रबंधन पर है, लेकिन बरसात शुरू होते ही चार छात्राओं का बीमार पड़ना कई व्यवस्थागत कमियों की ओर संकेत कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, छात्रावास परिसर में साफ-सफाई, रसोई व्यवस्था तथा भोजन सामग्री के सुरक्षित भंडारण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा था। बरसात के मौसम में खाद्य पदार्थों के दूषित होने और जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसके बावजूद यदि नियमित निगरानी नहीं की जाए तो ऐसी घटनाएं होना तय माना जाता है।

खंड चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि छात्रावास में सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। लेकिन घटना के बाद स्वास्थ्य परीक्षण कराना प्रशासनिक जिम्मेदारी की पूर्ति नहीं माना जा सकता। बड़ा प्रश्न यह है कि क्या पूर्व में नियमित निरीक्षण, खाद्य गुणवत्ता परीक्षण और स्वच्छता की जांच की गई थी।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के तहत सामूहिक भोजन व्यवस्था वाले संस्थानों में स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

वहीं एफएसएसएआई के दिशा-निर्देश, छात्रावास संचालन नियम तथा राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के प्रावधानों के अनुसार छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छ रसोई, सुरक्षित पेयजल और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। इसके अतिरिक्त, राज्य शासन द्वारा जारी छात्रावास संचालन निर्देशों में बरसात के मौसम में विशेष सतर्कता बरतने, खाद्य सामग्री की नियमित जांच करने तथा साफ-सफाई बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद चार छात्राओं का बीमार पड़ना यह दर्शाता है कि जमीनी स्तर पर निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी है। घटना के बाद अब जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। यदि नियमित निरीक्षण समय पर किए जाते और छात्रावासों की व्यवस्थाओं की गंभीरता से समीक्षा होती, तो शायद बच्चियों को अस्पताल पहुंचने की नौबत नहीं आती। फिलहाल चारों छात्राओं का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंडरिया में किया गया और उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन यह घटना जिले के सभी छात्रावासों के लिए चेतावनी बनकर सामने आई है।

छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम साय..?

प्रदेश स्तरीय आमसभा, यादव महासम्मेलन एवं भवन लोकार्पण समारोह भव्य रूप से सम्पन्न

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज द्वारा ग्राम बरौदा में आयोजित प्रदेश स्तरीय आमसभा, यादव महासम्मेलन एवं भवन लोकार्पण समारोह भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेशभर से समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, युवा, महिलाएं एवं हजारों समाजजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में टंकराम वर्मा, कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगनीक यादव, प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज ने की। विशिष्ट अतिथियों में रामकुमार यादव, विधायक चंद्रपुर तथा अनुज शर्मा, विधायक धरसींवां सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं समाज के आराध्य देव के पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात समाज भवन का लोकार्पण किया गया। अतिथियों का पारंपरिक रूप से पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों, प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजजनों का सम्मान भी किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की एकता, शिक्षा और संगठन ही विकास का आधार है। उन्होंने झेरिया यादव समाज के सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदान की सराहना करते हुए समाज के विकास में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने रायपुर में झेरिया यादव समाज के भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री की इस घोषणा पर उपस्थित समाजजनों ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया।कार्यक्रम में समाज के संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार से जोड़ने, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से मिला सहायक शिक्षक फेडरेशन, जन्मदिवस पर दी शुभकामनाएं

कवर्धा। सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के जिला अध्यक्ष प्रेम नारायण शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा से सौजन्य भेंट कर उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। इस दौरान शिक्षकों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सफल जनसेवा की कामना की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इससे पूर्व 12 जुलाई को फेडरेशन द्वारा उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निवास पहुंचकर शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने वीएसके ऐप में आ रही तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया था। साथ ही टेट से संबंधित

विभागीय परीक्षा आयोजित करने सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई थी। शिक्षक प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि उपमुख्यमंत्री के स्तर पर इन मांगों पर सकारात्मक पहल होने से प्रदेश के सहायक शिक्षकों को राहत मिलेगी तथा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। जन्मदिवस की शुभकामनाएं देने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष प्रेम नारायण शर्मा, कार्यकारी जिला अध्यक्ष केशलाल साहू, जिला संयोजक राजेंद्र शर्मा, शंकरपाली, नवीन सिंह ठाकुर, धर्मदास कुर्रे, सरजू नेताम, हरीश धुर्वे, विसर्जन राम साहू, सोम सर, ईश्वरी साह, झुमुक लाल बंछोर, संजय साहू सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर संवाद बनाए रखने का संकल्प भी व्यक्त किया।

वन महोत्सव पखवाड़े के माध्यम से विद्यार्थियों में जगाई पर्यावरण संरक्षण की अलख

बेमेतरा। डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से 6 जुलाई से 18 जुलाई तक 15 दिवसीय वन महोत्सव पखवाड़ा का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वृक्षारोपण, हरियाली संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। पखवाड़े का शुभारंभ विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान से हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार ने मिलकर पौधे लगाए तथा उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन पर्यावरण विषय पर आधारित विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इनमें चित्रकला

एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, निबंध एवं स्लोगन लेखन, भाषण एवं कविता वाचन, स्वच्छता अभियान, पौधों की देखभाल तथा पर्यावरण संरक्षण विषयक जागरूकता कार्यक्रम प्रमुख रहे। विद्यालय ने विद्यार्थियों से प्रत्येक घर तक हरियाली का संदेश पहुँचाने तथा एक पौधा या एक गमला लाकर वृक्षारोपण अभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया। पूरे पखवाड़े में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर यह संदेश दिया कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वच्छ भविष्य की नींव है। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा सभी ने एक पेड़ माँ के नाम, एक पेड़ धरती के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। विद्यालय के प्राचार्य पी.एल. जायसवाल ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। यदि हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाएंगे और उनका संरक्षण करेंगे।

केशतरा सरपंच लक्ष्मी शर्मा के नेतृत्व में कैबिनेट मंत्री बघेल से किया भेंट

बेमेतरा। ग्राम पंचायत केशतरा की सरपंच लक्ष्मी शर्मा ने छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल से सौजन्य भेंट कर ग्राम की विभिन्न जनसमस्याओं एवं विकास कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान ग्राम में आवश्यक मूलभूत सुविधाओं एवं विकास कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव भी मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए गए। मंत्री ने सभी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए उनके शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण का आश्वासन दिया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए। इस संबंध में केशतरा ग्राम पंचायत के सरपंच लक्ष्मी शर्मा ने बताया कि मंत्री बघेल ने तुरंत केशतरा आँगन बाड़ी क्रमांक 02 हेतु भवन एवं एक सी.सी. रोड की स्वीकृति प्रदान किया। इसके लिए मंत्री बघेल का सरपंच लक्ष्मी शर्मा सरपंच ग्राम पंचायत केशतरा ने आभार व्यक्त किए। इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चंदनू के व्याख्याता किशोरी लाल शर्मा, प्रियंका मिश्रा एवं दीपक मिश्रा भी उपस्थित रहे।

अंगदानकर्ताओं को मरणोपरांत गार्ड ऑफ ऑनर दिए जाने के प्रस्ताव पर राज्यपाल ने दी सहमति

बेमेतरा। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा, रायपुर में राज्य प्रबंध समिति की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा के चेयरमैन तोमन साहू द्वारा की गई। बैठक में नवनिर्मित इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ऑर्गन डोनेशन (अंगदान) समिति के समस्त सदस्यों ने भाग लिया। बैठक उपरांत राज्य शाखा के चेयरमैन तोमन साहू के नेतृत्व एवं ऑर्गन डोनेशन समिति के चेयरमैन रोशन लाल वर्मा के साथ समिति के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल महोदय एवं विधानसभा अध्यक्ष महोदय से सौजन्य भेंट की। इस दौरान 13 अगस्त विश्व अंगदान दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में एक वृहद राज्यस्तरीय जनजागरूकता एवं सम्मान समारोह आयोजित करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक एवं चर्चा के दौरान समिति द्वारा यह

महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा गया कि अंगदान जैसे सर्वोच्च मानव सेवा के कार्य करने वाले व्यक्तियों को उनके मरणोपरांत राज्य स्तर पर गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया जाए, ताकि समाज में अंगदान के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हो तथा अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित हों। इस प्रस्ताव पर माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा सहमति प्रदान की गई, जिसे समिति ने अंगदान अभियान की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक निर्णय बताया। बैठक में आगामी कार्ययोजना पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। समिति द्वारा निम्न प्रमुख प्रस्ताव रखे गए– राज्यभर में अंगदान जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। सभी जिला रेडक्रॉस शाखाओं में ऑर्गन डोनेशन समन्वय समिति का गठन किया जाएगा। मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों एवं निजी अस्पतालों के साथ समन्वय स्थापित कर अंगदान प्रक्रिया को सरल एवं प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों एवं सामाजिक संगठनों को जोड़ते हुए व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। अंगदान करने वाले परिवारों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। हेल्पलाइन, पंजीयन अभियान, डिजिटल पोर्टल एवं स्वैच्छिक अंगदान प्रतिज्ञा अभियान प्रारंभ करने पर भी सहमति बनी। प्रत्येक जिले में नियमित सेमिनार, कार्यशाला, रक्तदान एवं अंगदान जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। रेडक्रॉस स्वयंसेवकों को अंगदान संबंधी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने हेतु विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं धार्मिक-सामाजिक प्रतिनिधियों के माध्यम से संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विश्व अंगदान दिवस पर राज्य स्तरीय सम्मान समारोह, जनजागरूकता रैली, शपथ ग्रहण एवं अंगदान प्रतिज्ञा अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर जिला रेडक्रॉस सोसायटी बेमेतरा के राज्य प्रतिनिधि रोशन लाल वर्मा को छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पश्चात गठित प्रथम इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ऑर्गन डोनेशन समिति का चेयरमैन नियुक्त किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया गया।

आस्था का केन्द्र बना शिवलिंग को अराजकतत्वो ने किया क्षतिग्रस्त

गाजीपुर। सावन मास को लेकर प्रशासन शिवमंदिरो पर शिवालयो का भ्रमण कर कांवरियो व श्रद्धालुओ की सुविधा व व्यवस्थाओ की देखभाल सूबे के मुख्यमंत्री के निर्देशो का पालन कर रहे है। वही कुछ अराजकतत्वो ने नगर क्षेत्र के रौजा ओवरब्रिज के पास पीपल वृक्ष के नीचे शिवलिंग को तोड़ने व क्षतिग्रस्त करने की घटना ने स्थानीय शिवभक्तो को झकझोर दिया है। स्थानीय लोगो ने बताया कि सोमवार की रात्रि मे अराजकतत्वों ने भारी वर्षा के बीच शिवलिंग व उसके अरघे को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। प्रातः जब भक्तो व स्थानीय लोगो ने दैनिक पूजा करने गये तो पूजा स्थल पर शिवलिंग गायब होने की चर्चा तेज हो गयी और वहा बिना शिवलिंग के खाली स्थान पर ही जल चढाते रहे। प्रतिदिन दर्शन कर अपने कचहरी की शुरूआत करने वाले सरकारी अधिवक्ता कृपाशंकर राय ने बताया कि हम शिवलिंग के

क्षतिग्रस्त होने से हतप्रभ है कि ऐसा किसने किया हम शिवलिंग का दर्शन करके कचहरी जाते रहे है अब हम दर्शन किये बिना जाना उचित नही लग रहा है। शिवलिंग तोड़े जाने की सूचना पर विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष विपिन श्रीवास्तव ने बताया कि यह बड़ी शर्मनाक घटना है सावन माह को लेकर हमलोग शिवभक्तो के दर्शन की तैयारी और व्यवस्था मे लगे है। वही इस शिवलिंग को तोड़ने की यह घटना दुस्साहसिक वारदात है। जिसकी जितनी भ्रत्सना की जाये वह कम है हम प्रशासन ये यही मांग करते है कि इसके दोषी को जल्द जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाये और कड़ा दण्ड दिया जाये ताकि इस तरह के घटना का दुस्साहस कोई न कर सके। ये दुस्साहस मात्र हिन्दू देवी देवताओ के साथ ही किया जाता है किसी अन्य धर्म सम्प्रदाय के पूजास्थलो पर इस तरह की घटनाए नही होती है। इस पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करने की मांग उच्चाधिकारियो से की है। इस घटना पर कार्यवाही की जानकारी सदर कोतवाल के सीयूजी मोबाइल 9454403456 पर करनी चाही तो मोबाइल नही उठा और पुलिस अपना पक्ष नही रख सका।

जिले के विभिन्न थाना/चौकी क्षेत्रों में ईंट भट्ठी, घुमंतु, डेरा, होटलों, ढाबों, लॉज, किरायेदारों एवं मुसाफिरों के आधार कार्ड की गई सख्त जांच कार्यवाही

स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा अवैध अप्रवासियों की तलाश हेतु चेकिंग अभियान लगातार जारी

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने अनाधिकृत/अवैध रूप से रह रहें, अवैध अप्रवासी बांग्लादेशी/रोहिंग्या घुसपैठियों की तलाश, पहचान कर उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने एवं उन्हें वापस भेजे जाने की कार्यवाही हेतु बेमेतरा जिले में स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया गया है। जिसके तहत जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों एवं स्टाफ के द्वारा जिले के विभिन्न थाना/चौकी क्षेत्रांतर्गत में घुमंतु, डेरा लगाकर रहने, होटलों, ढाबों, लॉज और मकान किराये पर रहने, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के वार्डो, गली, मोहल्ले में जाकर मकानो में किराये पर रहने वाले किरायेदारों एवं मुसाफिरों की आधार कार्ड एप से मिलान कर चेकिंग कार्यवाही की गई हैं। इस दौरान किराया देने वाले मालिक का नाम, किरायादार का

नाम, माता, पिता, एवं परिवार के सदस्यों का नाम माता/पिता का नाम, वर्तमान पता, स्थायी पता, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड नं., पेन कार्ड नं., मोबाईल नंबर, शिक्षा संबंधी, फोटो, पहचानकर्ता का पूरा नाम पता एवं मोबाईल नंबर ली गई हैं। सब सही पाया गया है। यह आधार कार्ड की चेकिंग कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। साथ ही समाधान ऐप में किराए दार का मकान मालिक के माध्यम से डाटा अपलोड की जा रही है जिसकी चेकिंग कार्यवाही लगातार जारी हैं। चेकिंग कार्यवाही के दौरान वार्ड पार्षद, ग्राम सरपंच एवं ग्राम कोटवार को भी हिदायत दी गई कि किसी भी अंजान लोगो को ग्रामों में ठहरने न दें साथ ही पुलिस थाना को सूचित करे। किसी भी प्रकार की संदिग्ध व्यक्ति दिखने एवं कोई बाहर से आकर कही रूका हो जो आपको संदिग्ध लगे तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। साथ ही मकान मालिको को बाहरी व्यक्तियों की सूचना मकान किराए में देने के पूर्व थाने में नोट कराने की हिदायत दी गई। आम जनता से अपील की जाती है कि बाहरी व्यक्तियों को किराए में मकान देने से पूर्व इसकी सूचना अनिवार्य रूप से थाना में नोट कराए। आम जनता से अपील की जाती है कि बाहरी व्यक्तियों को किराए में मकान देने से पूर्व इसकी सूचना अनिवार्य रूप से थाना में नोट कराएं। साथ ही सभी वार्ड पार्षद को भी बताया गया कि किसी भी अंजान लोगो को शहर/ग्रामों में ठहरने न दें साथ ही पुलिस थाना को सूचित करे। अनाधिकृत/अवैध रूप से रह रहें, अवैध अप्रवासी बांग्लादेशी/ रोहिंग्या घुसपैठियों एवं संदिग्ध दिखने वाले व्यक्ति जो बाहर से आकर कही रूका हो जो आपको संदिग्ध लगे तो इसकी सूचना तत्काल टोल फ्री नंबर 18002331905 पुलिस को दें। इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर अंकुश लगाना एवं जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाना है। बेमेतरा पुलिस सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु कृतसंकल्पित है और इस अभियान में नागरिकों की सहभागिता अपेक्षित है।

जिला रोजगार केन्द्र गरियाबंद में 24 जुलाई को प्लेसमेंट कैम्प

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग तथा संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण, रायपुर के निर्देशानुसार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, गरियाबंद द्वारा 24 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला कार्यालय परिसर में प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित होगा। जिसमें निजी क्षेत्र के विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी।

जिला रोजगार अधिकारी अंजुम अफरोज ने बताया कि इस रोजगार मेले में स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर एवं अलर्ट एस.जी.एस. प्राइवेट लिमिटेड रायपुर द्वारा फील्ड ऑफिसर, कलेक्शन ऑफिसर, सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर, असिस्टेंट सुपरवाइजर, एजेंट तथा मार्केटिंग सहित कुल 439 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एमबीए उत्तीर्ण अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को दो पासपोर्ट आकार के फोटो, शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता से संबंधित मूल प्रमाण-पत्र तथा उनकी छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होना होगा।

प्लेसमेंट कैम्प में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थी को ई-रोजगार पोर्टल ईरोजगार डॉट सीजी डॉट गवर्नमेंट इन अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करना अनिवार्य है।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर के आदतन अपराधी मोहम्मद गनी पर जिला बदर की कार्रवाई

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आदतन अपराधियों पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत एक और बड़ी कार्रवाई की है। लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपी मोहम्मद गनी (29) को छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 के तहत तीन माह के लिए छह जिलों की सीमा से जिला बदर कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, संतोषी नगर स्थित गौसिया मस्जिद के पास रहने वाले मोहम्मद गनी के विरुद्ध पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर प्रकरण की जांच की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी वर्ष 2016 से लगातार विभिन्न गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी के खिलाफ थाना टिकरापारा में मारपीट, जान से मारने की धमकी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट और जुआ अधिनियम सहित कुल 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा उसके विरुद्ध कई बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई, लेकिन उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों और पुलिस प्रतिवेदन के परीक्षण के बाद पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(ख) के तहत आदेश जारी करते हुए आरोपी को तीन माह की अवधि के लिए रायपुर, दुर्ग, धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिलों की राजस्व सीमाओं से निष्कासित (जिला बदर) कर दिया है। पुलिस का कहना है कि शहर में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदतन अपराधियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

इलाज में लापरवाही का आरोप, एक नवजात की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में शादी के करीब डेढ़ दशक बाद जुड़वा बच्चों के जन्म से खुश हुए एक परिवार की खुशियां कुछ ही घंटों में मातम में बदल गईं। जन्म के बाद एक नवजात की तबीयत बिगड़ने और बाद में मौत होने से परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। मामला कोरबा के आयुष्मान चिकित्सालय, शारदा विहार का है। जानकारी के अनुसार, परशुराम नगर दादर निवासी शशिकांत ओझा की पत्नी ने 17 जुलाई को अस्पताल में जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था। बच्चों के जन्म के बाद परिवार में खुशी का माहौल था। परिजनों के मुताबिक, दोनों बच्चों का वजन भी संतोषजनक था और सभी लोग लंबे इंतजार के बाद मिली इस खुशी को लेकर उत्साहित थे।

मेडिकल कॉलेज की पार्किंग से मरीज की दुपहिया पार

रायपुर। यहां के सरकारी मेडिकल कॉलेज परिसर में संचालित वाहन पार्किंग में खड़ी एक बाइक चोरी हो गई। गंभीर बात यह रही कि वाहन मालिक के अनुसार पार्किंग संचालक ने चोरी की घटना के बाद पार्किंग पर्ची वापस लेकर फाड़ दी। सिविल लाइन थाना रामपुर में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के पास दर्ज कराई यही प्राथमिकी में कहा गया कि ग्राम खिसोरा, बलौदा निवासी पंकज अहिर ने 17 जुलाई की रात करीब 8.30 बजे अपनी हीरो स्प्लेंडर क्रमांक ष्टत्र-11-क्रत्र-0476 को जिला अस्पताल के 100 बेड परिसर स्थित वाहन स्टैंड में खड़ा किया था।

मेरा परिवार गौव्रति परिवार' अभियान का शुभारंभ, गौ विज्ञान परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

गौ संरक्षण जनभागीदारी से ही बनेगा जनआंदोलन-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- 1.64 लाख से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता को बताया नई पीढ़ी में भारतीय संस्कृति और वैज्ञानिक सोच का सकारात्मक संकेत
- सुरभि गौधाम योजना, गौशालाओं को बढ़ी सहायता और डेयरी विकास से गौपालन को मिलेगा नया विस्तार

रायपुर। संवाददाता

गौमाता भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जैविक कृषि और पर्यावरण संरक्षण की आधारशिला है। गौ संरक्षण पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। जब प्रत्येक परिवार गौसेवा और संरक्षण का संकल्प लेगा, तभी यह अभियान जनआंदोलन का स्वरूप ले सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित गौ सेवा संगम एवं गौ विज्ञान परीक्षा पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशव्यापी 'मेरा परिवार गौव्रति परिवार' अभियान का शुभारंभ किया तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए संचालित किए जाने वाले वृक्षारोपण अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने गौ विज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कार भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमाता केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण और ग्रामीण समृद्धि की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि बच्चों में गाय के वैज्ञानिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व की समझ विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित गौ विज्ञान परीक्षा अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष प्रदेश के स्कूलों एवं महाविद्यालयों के 1 लाख 64 हजार से अधिक

विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। इतनी बड़ी संख्या में युवाओं की सहभागिता यह दर्शाती है कि नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग हो रही है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि वे समाज में गौ संरक्षण और संवर्धन के प्रभावी दूत बनेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गौ संरक्षण के उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने परिवारों और आसपास के लोगों को गौसेवा एवं गौ संरक्षण के प्रति जागरूक करें तथा इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नए शिक्षा सत्र के साथ प्रदेश में शाला प्रवेश उत्सव और न्योता भोज जैसी अभिनव पहल संचालित की जा रही हैं। जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ अथवा माता-पिता की पुण्यतिथि जैसे विशेष अवसरों पर विद्यालयों में बच्चों के साथ भोजन कराने की परंपरा समाज और विद्यालय के बीच आत्मीय संबंध मजबूत कर रही है। इससे बच्चों को अतिरिक्त पोषण भी प्राप्त हो रहा है तथा समाज की भागीदारी भी बढ़ रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गाय से प्राप्त दूध, दही, गोबर और गोमूत्र सहित प्रत्येक उत्पाद मानव जीवन के लिए उपयोगी है। आज गोबर से अनेक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जो स्वरोजगार और ग्रामीण उद्यमिता के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार गोबर एवं गोमूत्र आधारित उत्पादों के निर्माण तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था भी करेगी, जिससे गौपालन आय का सशक्त माध्यम बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। पंजीकृत गौशालाओं में प्रति गाय चारे के लिए दी जाने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 35 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है।

पेड़ों की कटाई के बाद लकड़ी अभनपुर भेजी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सरकारी अनुमति से काटे गए पेड़ों की लकड़ी को वन विभाग के डिपो में जमा कराने के बजाय चोरी-छिपे रायपुर जिले के अभनपुर स्थित एक आरा मिल भेजने का मामला सामने आया है। मामले का खुलासा होने के बाद वन विभाग की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। वहीं जांच के दौरान अभनपुर स्थित संबंधित आरा मिल में दबिश देकर लकड़ियां बरामद की गईं और मिल को सील कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, परिक्षेत्र अधिकारी कुदमुरा (उत्पादन) विक्रांता सिंह कंवर ने सिविल लाइन थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई 2026 की शाम कार्यपालन अभियंता तारामणी तिग्गा ने सूचना दी कि सीएसईबी कॉलोनी रामपुर स्थित जूनियर क्लब के पास काटे गए सात पेड़ों के लट्ठों को एक वाहन में लोड किया जा रहा है। मौके पर पहुंचने पर वाहन नहीं मिला। जांच में पता चला कि सीएसईबी कॉलोनी रामपुर के राजस्व क्षेत्र में खड़े 207 पेड़ों की कटाई अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोरबा की अनुमति से कराई जा रही थी। 29 जून को सात पेड़ों की कटाई की गई थी, जबकि शेष पेड़ों की कटाई के लिए कोरबा निवासी सुनील कुमार गुप्ता को लेबर वेंडर के रूप में नियुक्त किया गया था। पूछताछ के दौरान सुनील कुमार गुप्ता ने स्वीकार किया कि उसने सातों पेड़ों की लकड़ी को बिना किसी अनुमति के अपने वाहन से रायपुर जिले के अभनपुर भेज दिया।

कांग्रेस पार्टी और युवा कांग्रेस का सांगठनिक ढाँचा पूरी तरह ध्वस्त...

- प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने कहा : कांग्रेस में वर्चस्व की जंग से मचा घमासान और बड़े नेताओं के बीच की रार सार्वजनिक रूप से बेनकाब

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने प्रदेश में युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा है कि इस तथाकथित चुनाव ने कांग्रेस के आंतरिक लोकतंत्र और संगठनात्मक ढाँचे की बची-खुची साख को पूरी तरह तार-तार कर दिया है। श्री टिकरिहा ने कहा कि कांग्रेस में वर्चस्व की इस जंग ने पार्टी के भीतर मचे घमासान और बड़े नेताओं के बीच की रार को सार्वजनिक रूप से बेनकाब कर दिया है।भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ?श्री टिकरिहा ने कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस में गुटबाजी और अंतर्विरोध इस कदर हावी हो चुका है कि कल तक जो नेता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की भक्ति में लीन रहते थे, वे ही आज उनके सामने ताल ठोककर खड़े हैं। भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव द्वारा बघेल समर्थित प्रत्याशी के विरोध में अपना उम्मीदवार उतारना यह साबित करता है कि कांग्रेस के भीतर अंदरूनी सत्ता-संघर्ष और आधिपत्य की लड़ाई अब सड़क पर आ चुकी है। श्री टिकरिहा ने कहा कि कांग्रेस और युवक कांग्रेस में अनुशासनहीनता चरम पर है और पूरा संगठनात्मक ढाँचा ताश के पत्तों की तरह ढह रहा है। ?युवा कांग्रेस के चुनावी ड्रामे पर कड़ा प्रहार करते हुए श्री टिकरिहा ने कहा कि युवा कांग्रेस का यह चुनाव केवल और केवल पूंजीपतियों की कठपुतली बनकर रह गया है। यह चुनाव धनबल और रसूखदारों के लिए है, जिसमें किसी सामान्य और गरीब कार्यकर्ता के सामर्थ्य तथा पहुँच के लिए कोई जगह नहीं बची है।

पशुधन विभाग ने घर घर जाकर पशुओं को लगाए 92 हजार से अधिक टीके

रायपुर। संवाददाता

पशुधन को खुरपका-मुंहपका, गलघोंटू, और लंगड़ा बुखार जैसी घातक बीमारियों से बचाने के लिए समय पर टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है। इससे न केवल पशुओं की असमय मृत्यु रुकती है, बल्कि उनका दूध व मांस उत्पादन भी सुरक्षित रहता है। पशु चिकित्सा टीकों का महत्व सुरक्षित और कुशल खाद्य उत्पादन तथा पशुओं और मनुष्यों में उभरती और दुर्लभ बीमारियों के नियंत्रण में निहित है। पशु चिकित्सा टीकों का उपयोग पशुधन और मुर्गीपालन में पशु स्वास्थ्य बनाए रखने और समग्र उत्पादन में सुधार के लिए किया जाता है। मानसून की पहली दस्तक के साथ ही बस्तर के वनांचल जिले नारायणपुर में पशुपालकों की धड़कनें तेज हो जाती थीं। बारिश की फुहारों के साथ घड़सरा, एकटेंगिया, लंपी स्किन डिजीज और एंटेरोटॉक्सिमिया जैसी जानलेवा संक्रामक बीमारियों का साया मंडराने लगता था। ये बीमारियां न केवल पशुओं का स्वास्थ्य छीनती थीं, बल्कि दूध उत्पादन घटाकर और इलाज का खर्च बढ़ाकर गरीब पशुपालकों की आजीविका पर भी भारी चोट करती थीं। लेकिन इस वर्ष मानसून की शुरुआत में ही नारायणपुर जिले ने बीमारी के इस खतरे के खिलाफ एक मजबूत श्सुरक्षा कवचश् तैयार कर लिया। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप कलेक्टर के मार्गदर्शन और उपसंचालक के नेतृत्व में पशुधन विकास विभाग ने 1 जुलाई 2026 से जिलेभर में एक वृहद व सघन नि:शुल्क टीकाकरण अभियान का आगाज किया। विभाग की 10 पशु चिकित्सालय एवं औषधालयों की टीमों ने केवल कस्बों तक सीमित न रहकर दूरस्थ, दुर्गम और वनांचल गांवों का रुख किया। बारिश की परवाह किए बिना मैदान में उतरे अमले ने न केवल चौपालों पर जागरूकता फैलाई, बल्कि श्डोर-टू-डोरश् पहुंचकर पशुधन को सुरक्षा टीके लगाए। विभाग की इस सक्रियता और मुस्तैदी के परिणामस्वरूप जिले में 92,000 से अधिक टीके सफलतापूर्वक लगाए जा चुके हैं। जिसमें घड़सरा रोधक टीके: 51,893, लंपी स्किन डिजीज टीके 27,679,एंटेरोटॉक्सिमिया टीके 8,655, एकटेंगिया रोधक टीके 4,650 तथा संक्रमण के अन्य खतरों को मात देने के लिए 11,013 पशुओं को कृमिनाशक दवा पिलाई गई और 10,938 पशुओं का किलनीनाशक उपचार किया गया। स्थानीय पशुपालको का कहना है कि पहले मानसून आते ही चिंता घेर लेती थी कि बीमारी फैली तो इलाज कैसे कराएंगे।

बिना कार्यकारिणी के विदा हो रहे बैज गुटबाजी के आगे बेबस दिखे

- बैज, बघेल, सिंहदेव और महंत के खेमों की रस्साकशी में 'फुटबॉल' बना रहा संगठन

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के कार्यकाल की समाप्ति पर कहा है कि राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा के कथित आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ कांग्रेस की कमान सम्भालने वाले दीपक बैज का तीन साल का कार्यकाल पूरी तरह विफल साबित हुआ है। दीपक ने कहा कि गुटबाजी और अंतर्कलह के दलदल में धँसी कांग्रेस का यह हश्र होना ही था। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने तंज कसते हुए कहा कि एक तथाकथित बड़ा आदिवासी चेहरा अपने पूरे कार्यकाल में 10 उपाध्यक्ष, 23 महामंत्री और 252 सदस्यों वाली अपनी एक अदद 'पूर्ण कार्यकारिणी' तक गठित नहीं कर पाया! बिना टीम बनाए ही बैज की विदाई यह साबित करती है कि कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक ढाँचा पूरी तरह वेंटिलेटर पर आ चुका है। बैज की इस बेबसी और विफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण खुद कांग्रेस का अपना पारम्परिक 'डीएनए' यानी बेलगाम गुटबाजी है। दीपक ने कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस आज पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत जैसे बड़े क्षत्रपों के अपने-अपने निजी खेमों में बँटी हुई है। इन दिग्गजों के अहम् और अपने करीबियों को उपकृत करने की होड़ के बीच बैज असहाय बने रहे। इन गुटों के बीच सामंजस्य बैठाना उनके लिए टेढ़ी खीर साबित हुआ और उनके नेतृत्व में संगठन केवल कागजों और बयानों तक सिमट कर रह गया।

सुनसान बोर मकान में मिले शव; पुलिस जांच में जुटी....

रायपुर। संवाददाता

जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम छापरपानी में गांव के बाहर स्थित एक सुनसान बोर मकान में रह रही महिला और उसकी 10 माह की मासूम बेटी की हत्या का मामला सामने आया है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह स्वयं जांच की निगरानी कर रहे हैं और जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं।पुलिस के अनुसार, ग्राम छापरपानी निवासी बुधियारो नागवंशी (42) ने 16 जुलाई को थाना लैलूंगा में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनकी मौसेरी बहन बरत कुमारी (35) के पति की चार-पांच वर्ष पहले मृत्यु हो गई थी। इसके बाद उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं रहती थी और वह मायके में रह रही थी। वह अक्सर गांव में घूमती थी और ग्राम के प्रहलाद बेहरा के खेत में बने बोर मकान में आश्रय लेकर रहने लगी थी।रिपोर्ट के मुताबिक, 16 जुलाई की सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच गांव के ननकूराम ने सूचना दी कि बरत कुमारी के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति ने मारपीट की है और उसके सिर व चेहरे से खून बह रहा है। सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जहां बरत कुमारी गंभीर रूप से घायल मिली। उसके सिर और चेहरे पर किसी भारी वस्तु से हमला किए जाने के निशान थे।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन में कबीरधाम ने रचा कीर्तिमान, प्रदेश में पहले स्थान पर

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-शर्मा

- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 8 स्वास्थ्य संस्थानों को सौंपे राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जिले के आठ स्वास्थ्य संस्थानों को कवर्धा में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाणन केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संस्थानों की बेहतर कार्यप्रणाली और मरीजों के प्रति संवेदनशील सेवाओं का प्रमाण है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर पलानसरी, मिनमिनिया, गोछिया, वीरेंद्रनगर, गौरमाटी, धरमगढ़, गेंदपुर एवं रंजीतपुर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, डॉ. वीरेन्द्र साहू, नितेश अग्रवाल, पूर्व विधायक सियाराम साहू, मोतीराम चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, लोकचंद साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी. के. तुरे तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एनएचएम) श्रीमती अनुपमा तिवारी के मार्गदर्शन में जिले की 60 शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र प्राप्त कर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह प्रमाणपत्र स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध उत्कृष्ट गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाओं एवं रोगी-केंद्रित देखभाल का प्रमाण है। यह उन संस्थानों को प्रदान किया जाता है, जो सेवा प्रावधान, रोगी अधिकार, समर्थन सेवाएं, नैदानिक सेवाएं, संक्रमण नियंत्रण तथा गुणवत्ता प्रबंधन जैसे कठोर मानकों पर खरे उतरते हैं। राज्य में राष्ट्रीय

गुणवत्ता आश्वासन प्रमाणीकरण में कबीरधाम जिला प्रथम- राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के लिए स्वास्थ्य संस्थानों को निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार व्यापक तैयारी करनी होती है। इसके बाद जिला एवं राज्य स्तरीय टीम संस्था का निरीक्षण कर दस्तावेजों का परीक्षण, साक्षात्कार, साफ-सफाई, आवश्यक दवाइयों एवं जांच किट की उपलब्धता, भवन की स्थिति, जल एवं विद्युत आपूर्ति तथा मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं का मूल्यांकन करती है। प्रत्येक मानक में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने के बाद ही संस्था राष्ट्रीय स्तर के प्रमाणीकरण हेतु सक्षम पोर्टल पर आवेदन करती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य शासन द्वारा जिले के 73 स्वास्थ्य संस्थानों को प्रमाणीकरण हेतु तैयार करने का लक्ष्य दिया गया था। इसके विरुद्ध कबीरधाम जिले ने 91 शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों (125 प्रतिशत) में गुणवत्ता सुधार का कार्य प्रारंभ कर राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इन 91 स्वास्थ्य संस्थानों में से 60 संस्थानों का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाणीकरण पूर्ण हो चुका है, जबकि 12 संस्थानों के परिणाम लंबित हैं तथा 19 संस्थानों में तैयारी जारी है। इनमें जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंडरिया, एक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 52 उप स्वास्थ्य केंद्रों का प्रमाणीकरण पूर्ण हो चुका है।

प्रमाणित संस्थाओं को मिलेगी प्रोत्साहन राशि -राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक से प्रमाणित होने के बाद उप स्वास्थ्य केंद्रों को 2.16 लाख रुपये, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को 3 लाख रुपये, जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला चिकित्सालय को प्रति बेड 10 हजार रुपये की दर से प्रतिवर्ष तीन वर्षों तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इस राशि का उपयोग स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए किया जाता है। जिले में एनक्यूएएस प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को सफल बनाने में जिला स्तरीय टीम के डॉ. मुकुंद राव, श्रीमती आराधना बंजारे, सुरेन्द्र चंद्रवंशी एवं श्रीमती श्रद्धा चंद्रवंशी द्वारा प्रशिक्षण, मॉनिटरिंग तथा स्वास्थ्य संस्थानों का नियमित निरीक्षण कर कमियों को दूर कराने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

संपादकीय

महंगाई फिर रफ्तार पर, खाद्य वस्तुओं के बढ़ते दामों ने बढ़ाई आम आदमी की चिंता

खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी।किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तभी सुदृढ़ मानी जाती है, जब विकास के साथ-साथ महंगाई भी नियंत्रण में रहे। अगर आवश्यक वस्तुओं के दाम अनियंत्रित तरीके से बढ़ते जाएं, तो आम जनता की बचत कम होने से उसकी क्रय शक्ति भी घट जाती है। इससे निवेश और बाजार की मांग प्रभावित होती है, जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यानी कीमतों में स्थिरता के बिना लंबे समय तक समावेशी और संतुलित विकास हासिल नहीं किया जा सकता।देश में महंगाई के मोर्चे पर जो तस्वीर सामने आ रही है, वह इसी स्थिति की ओर इशारा करती है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई दर को चार फीसद तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन मौजूदा आंकड़ा इससे आगे निकल गया है।सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि महंगाई नियंत्रण में है और आवश्यक वस्तुओं के दाम आम आदमी की पहुंच में हैं। मगर, वर्तमान परिस्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या महंगाई को नियंत्रित करने की सरकार की नीतियां कारगर साबित नहीं हो पा रही हैं या फिर कीमतों को काबू करने की डोर को जान-बूझकर ढीला छोड़ देने की कोशिश की जा रही है?खाद्य महंगाई का मई में 4.78 फीसद से बढ़कर जून में 5.32 फीसद पर पहुंच जाना वास्तव में चिंताजनक है। जब आरबीआई ने खुद महंगाई को चार फीसद के आसपास रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है, तो फिर क्या वजह है कि यह आंकड़ा तेजी से ऊपर की ओर जा रहा है। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन इसका खमियाजा आम आदमी को अपनी जरूरतों और खर्च में कटौती के रूप में भुगतना पड़ रहा है। सरकार को इस बात पर गंभीरता से गौर करना चाहिए कि महंगाई की सबसे ज्यादा मार समाज के उस कमजोर तबके पर पड़ती है, जो दिनभर कड़ी मेहनत के बावजूद बमुश्किल अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर पाता है।

आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव श्री जगन्नाथ यात्रा

(ललित गर्ग)

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे 'महायात्रा' कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं।

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे 'महायात्रा' कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक

पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है।

धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता।लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इसलिए जरूरी है नाम बदलना

(डॉ. अवनीश मिश्रा)

कोई राष्ट्र यदि अपनी पहचान भुला देता है तो वह अपना गौरवबोध खोने के साथ ही भविष्य की दिशा भी खो देता है। कहते हैं कि जड़ों से कटा वृक्ष कभी छाया नहीं दे सकता। यही सत्य सभ्यताओं पर भी लागू होता है जिसकी पहचान नामों से होती है। नदी का नाम, नगर का नाम, गली-मोहल्ले का नाम, ये मात्र पहचान के चिह्न नहीं हैं, आस्था और सांस्कृतिक निरंतरता के जीवंत साक्षी भी हैं। भारत पर हमले के बाद आक्रांताओं ने इसीलिए यहां की पहचान को सबसे पहले बदलने का प्रयास किया। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में कई स्थानों के नाम बदल दिए गए। उत्तर प्रदेश की पावन धरती ने लंबे समय तक इस सांस्कृतिक हिंसा को चुपचाप सहा लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता में आने के बाद से यह मौन टूटने लगा। उत्तर प्रदेश में गुलामी के प्रतीकों को हमेशा के लिए खत्म करने की दिशा उन्होंने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए और कई स्थानों का नाम बदलकर उन्हें उनका गौरव वापस दिलाया। हाल ही में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम परशुराम पुरी, अयोध्या जिले में नगर पंचायत खिलौनी-सुचितगंज को मां ज्वाला जी, कुशीनगर के फाजिलनगर का पावागढ़ और भदरसा को भरत नगर करना सीओम योगी की इसी प्राथमिकता का हिस्सा हैं। इतिहास को पलटने में कई काले पन्ने भी दिखते हैं। इन पन्नों में मुगलकाल में उत्तर प्रदेश के शहरों, गांवों और कस्बों का नाम बदला जाना भी है। गाजीपुर, आजमगढ़, अलीगढ़, मुरादाबाद, इलाहाबाद, फतेहपुर, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर और मुजफ्फरनगर जैसे अनेक बड़े जिलों के नाम मुगल सल्तनतों, उनके सेनापतियों और परिजनों के नाम पर रखे गए। आगरा को अकबराबाद कहा गया, प्रयागराज को इलाहाबाद कर दिया गया। यह एक सुनियोजित सांस्कृतिक विस्थापन था, जिसने भारत की मूल पहचान पर आक्रांताओं की मुहर लगा दी। योगी सरकार इन नामों को बदलने का साहस दिखा रही है, तो यह केवल इतिहास का सुधार नहीं, बल्कि उस अन्याय का भी प्रतिकार है जो पीढ़ियों ने सहा। इलाहाबाद का प्रयागराज बनना इस यात्रा का सबसे प्रतीकात्मक अध्याय है। जिस भूमि पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का पवित्र संगम होता है, जहां हर बारह वर्ष में करोड़ों श्रद्धालु कुंभ स्नान के लिए उमड़ते हैं, उस नगर को एक ऐसा नाम ढोना पड़ा जिसका उसकी आध्यात्मिक चेतना से कोई नाता नहीं था। योगी सरकार ने प्रयागराज को उसका पुराना नाम वापस दिया है तो मानों इस पौराणिक स्थल की आत्मा वापस आई है। इसी तरह फैजाबाद जिले का नाम बदलकर अयोध्या करना भगवान श्रीराम की जन्मभूमि को उसका वास्तविक गौरव लौटाने जैसा कदम है। मुगलसराय रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर करना भी इसी श्रृंखला की एक कड़ी है, जिसने एक महान विचारक को सम्मान देकर उस स्थान को नई पहचान दी। हाल ही में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम बदलकर 'परशुराम पुरी' करने का निर्णय राज्य

मंत्रिमंडल ने लिया तो इसके भी विशिष्ट कारण हैं। यह क्षेत्र भगवान परशुराम की जन्मस्थली के रूप में पौराणिक ग्रंथों में वर्णित है और स्थानीय जनता वर्षों से इस पुनर्स्थापना की मांग कर रही थी। इसी तरह अयोध्या में खिलौनी-सुचितगंज को 'मां ज्वाला' का नाम दिया जाना और भदरसा 'भरत नगर' की संज्ञा दिया जाना भी जन-आकांक्षाओं और लोक-आस्था का सम्मान है। गोरखपुर, जो स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर्मभूमि है, वहां भी उन्होंने सांसद रहते हुए इसी दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए। उर्दू बाजार का नाम 'हिंदी बाजार', हुमायूंपुर का नाम 'हनुमान नगर', मियां बाजार का नाम 'माया बाजार' और अलीनगर का नाम 'आर्य नगर' कर दिया गया। ये सभी परिवर्तन स्थानीय पहचान को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से पुनः जोड़ने का प्रयास हैं। वस्तुतः सनातन आस्था से जुड़े लोग स्वयं भी गुलामी के प्रतीक इन नामों से मुक्ति चाहते हैं इसलिए उनकी ओर से इसके लिए आवाजें उठती रही हैं। संभल जिले के लिए कल्कि नगर या पृथ्वीराज नगर जैसे नाम सुझाए गए हैं, जो भगवान विष्णु के भावी अवतार और पृथ्वीराज चौहान जैसे शौर्यवान शासक की स्मृति को सम्मान देने का प्रयास हैं। देवबंद को देववृंदपुर करने की मांग भी स्थानीय जनप्रतिनिधि उठा चुके हैं। जब कोई समाज अपने नगरों को उनके पौराणिक, ऐतिहासिक या आस्था से जुड़े नामों से पुकारना चाहता है, तो लोकतांत्रिक सरकार का कर्तव्य है कि वह उस भावना को स्वर दे और योगी सरकार ने यही किया है।

नेपाल में उठ रही हिंदी की मांग

(उमेश चतुर्वेदी)

नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी।

मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं।

नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है। इतिहास नेपाल में भाषा को लेकर उठे इन सवालों पर विचार से पहले मधेस समुदाय के बारे में मोटे तौर पर कुछ बातें समझनाआवश्यक है। नेपाल में पहाड़ी मूल के अलावा तराई में जो लोग रहते हैं, उन्हें मधेस या मधेसी कहा जाता है। मधेस समुदाय की व्यापकता उत्तर प्रदेश की सीमा से लेकर बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल की सीमा तक नेपाली हिस्से में है। नेपाल की कुल जनसंख्या तीन करोड़ है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 53 प्रतिशत यानी लगभग एक करोड़ साठ लाख लोग मधेसी है। नेपाल में बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद यहां की शासन व्यवस्था में पहाड़ी मूल के लोगों का ही वर्चस्व रहा है, जिनकी जनसंख्या करीब एक करोड़ चालीस लाख है।

मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति

पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता बाधित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे।

नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था।

विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी। रमन पांडेय जैसे लोग भी नेपाल में हिंदी को कुछ उसी तरह आगे लाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अगर हिंदी को मान्यता मिली तो नेपाल की स्थानीय भाषाओं के बीच मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। वैसे भी मधेस समुदाय जब दूसरे भाषा-भाषी से बात करता है तो वह हिंदी का ही सहारा लेता है। इससे नेपाली एकता की भावना को तो मजबूती मिलेगी ही, भारतीय सीमा पार रिश्तों को निभाने में नेपाली लोगों मदद मिलेगी। हिंदी समर्थकों का यह भी तर्क है कि मधेस समुदाय की आपसी एकता को भी हिंदी के ही जरिए मजबूती मिल सकेगी। मधेस आबादी नेपाल के बाइस जिलों में फैली हुई है। रमन पांडेय जैसे लोगों का तर्क है कि बाइस जिलों के लोगों को एक माला में जोड़ने में हिंदी ही कामयाब हो सकती है। रमन पांडेय का कहना है कि नेपाली भाषा बेहद छोटे समुदाय खस आर्य की भाषा है। जिनकी संख्या एक करोड़ भी नहीं है। लेकिन वह पूरे देश की एक मात्र भाषा बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं कि नेपाल के तराई यानी मधेस और भारत से सटे इलाकों में हिंदी का प्रभाव गहरा और व्यापक है। नेपाल और भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत साझा है। नेपालमें भी हिंदी का व्यापक स्तर पर प्रयोग होता है। इतना ही नहीं, मधेस समुदाय के आपसी संपर्क का भी जरिया हिंदी ही है। हिंदी पहाड़ी यानी खस समुदाय के लिए भी मधेस समुदाय से जुड़ने का जरिया है। अगर हिंदी को मान्यता मिलती है तो संपर्क भाषा हिंदी को नई ताकत मिलेगी। हिंदी नेपाली समुदायों को तो आपस में जोड़ेगी ही, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साझा विरासत की बुनियाद पर नेपाल और भारत के रिश्तों को भी नई गति मिलेगी। ऐसा नहीं कि नेपाल में हिंदी के विरोधी नहीं है। लिपुलेख और कालापानी विवाद के वक्त तो तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में हिंदी पर पाबंदी लगाने तक की बात कर डाली थी। यह बात और है कि इसका विरोध उनकी पार्टी में ही हुआ था। हिंदी के मशहूर पत्रकार बनारसीदास चतुर्वेदी ने हिंदी में जनपदीय आंदोलन चलाया था। नेपाल के हिंदी समर्थकों को इसे भी ध्यान में रखना होगा।

नम्बी जलप्रपात तक पहुंचा CG25 राइडर्स का कारवां, प्राकृतिक सौंदर्य से हुए रूबरू

सैकड़ों किलोमीटर की बाइक यात्रा के बाद बीजापुर पहुंचे राइडर्स, कलेक्टर विश्वदीप से की सौजन्य मुलाकात

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से निकले छ्ल25 राइडर्स ग्रुप के सदस्य सोमवार को बीजापुर पहुंचे। साहसिक बाइक यात्रा के दौरान राइडर्स ने जिले के प्रसिद्ध नम्बी जलप्रपात समेत आसपास के प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण किया और यहां की प्राकृतिक छटा को करीब से देखा। बाद में उन्होंने कलेक्टर विश्वदीप से सौजन्य भेंट कर ग्रुप का आधिकारिक बैच भी भेंट किया।दुर्गम पहाड़ी रास्तों से गुजरते हुए राइडर्स नम्बी जलप्रपात पहुंचे। घने जंगलों के बीच बहती जलधारा और शांत वातावरण ने उन्हें खासा प्रभावित किया। राइडर्स ने कहा कि बीजापुर प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध क्षेत्र है, जहां एडवेंचर और प्रकृति का अनूठा संगम देखने को मिलता है। यात्रा के दौरान राइडर्स का दल जिला कलेक्टर कार्यालय भी पहुंचा। यहां कलेक्टर विश्वदीप से मुलाकात कर उन्होंने अपने अभियान की जानकारी दी और ग्रुप का आधिकारिक बैच भेंट किया। कलेक्टर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान जिले के पर्यटन स्थलों को व्यापक पहचान दिलाने में सहायक हैं। उन्होंने राइडर्स से जिले के अन्य पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण करने तथा अपने अनुभवों को सोशल मीडिया सहित विभिन्न मंचों पर साझा करने का आग्रह किया, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक बीजापुर की ओर आकर्षित हों। सीजी 25 राइडर्स ग्रुप के सदस्य गीतेश ताम्रकर ने बताया कि बीजापुर की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और स्थानीय लोगों का आत्मीय व्यवहार उनकी इस यात्रा को यादगार बना गया। उन्होंने प्रकृति प्रेमियों और बाइक राइडर्स से ÷देखो बस्तर, आओ बीजापुर÷ का संदेश देते हुए जिले के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने की अपील की। स्थानीय पर्यटन से जुड़े लोगों का मानना है कि इस तरह के बाइक अभियान न केवल एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देते हैं, बल्कि बीजापुर जैसे प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को देशभर के यात्रियों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम भी बन रहे हैं।

जंगल से नक्सलियों का डंप बरामदः बीजीएल सेल, एम्युनेशन और विस्फोटक सामग्री जब्त

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर और नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना कोयलीबेड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आलपरस और गुमचुर के मध्य स्थित दुर्गम जंगल व पहाड़ी इलाकों में चलाए गए संयुक्त सर्चिंग अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के एक गुप्त डंप का पर्दाफाश किया है। इस ठिकाने से भारी मात्रा में एम्युनेशन, बीजीएल सेल, कॉर्डेक्स वायर, डेटोनेटर सहित अन्य सामग्री बरामद की गई है। बरामद किए गए बीजीएल सेल, डेटोनेटर और कॉर्डेक्स वायर को सुरक्षा के दृष्टिकोण से बीडीएस की टीम द्वारा मौके पर ही सुरक्षित रूप से डिफ्यूज कर नष्ट कर दिया गया। यह महत्वपूर्ण सफलता वरिष्ठ अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन में मिली है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक बद्री नारायण मीणा (भा.पु.से.), बीएसएफ भानुप्रतापपुर के डीआईजी दीपक तिवारी, कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा तथा 40 वीं वाहिनी बीएसएफ कोयलीबेड़ा के सेनानी रणधीर सिंह गिल के निर्देशन में जिले के अति संवेदनशील और सीमावर्ती इलाकों में लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में डीआरजी (छत्रन्न), बीएसएफ (ड्डस्न्न) और बीडीएस (ड्ढक्रस्) की संयुक्त टीम द्वारा सघन सर्चिंग अभियान चलाया गया था। कार्रवाई के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए ठिकाने से इंसास के 42 राउंड, 303 रायफल के 48 राउंड, एसएलआर के 23 राउंड, 8द्वद्ध के 34 राउंड, 315 ब्लैंक के 8 राउंड, 8 नग बीजीएल सेल, 10 नग डेटोनेटर, 10 मीटर कॉर्डेक्स वायर, 4 मीटर कॉम्बेड कपड़ा, 10 किलोग्राम और 5 किलोग्राम के दो स्टील डिब्बे, दवाइयां तथा अन्य दैनिक उपयोग की सामग्रियां बरामद की गईं। इस पूरे अभियान को सफल बनाने में टीम कमांडर बीएसएफ 40 वीं वाहिनी के अंकुश कुमार (एसी), उप निरीक्षक महेंद्र सिंह, उप निरीक्षक रजत जेफ, उप निरीक्षक रोशन लाल मीणा तथा डीआरजी टीम कमांडर सहायक उप निरीक्षक चंद्रशेखर ठाकुर की अगुवाई में सुरक्षा बलों के जवानों की सराहनीय भूमिका रही। कांकेर पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और जन-सामान्य का विश्वास बनाए रखने के लिए सीमावर्ती इलाकों में इस तरह के सघन जांच व सर्चिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

केवल कुलपति को हटाना पर्याप्त नहीं,शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की विवादित भर्ती प्रक्रिया निरस्त कर नई पारदर्शी भर्ती कराई जाए- राजेश चौधरी

जगदलपुर। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर में प्रोफेसर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर पदों पर हुई भर्ती प्रक्रिया को लेकर राज्य सरकार तत्काल प्रभाव से ध्यान दें केवल कुलपति को पद से हटाना पर्याप्त कदम नहीं है। यदि भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार की आशंका है, तो पूरी भर्ती प्रक्रिया को निरस्त कर नए सिरे से पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से भर्ती कराई जानी चाहिए।कि पूर्व में आयोजित भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव दिखाई दिया।कि भर्ती संबंधी विज्ञापन सभी प्रमुख सार्वजनिक समाचार पत्रों में व्यापक रूप से प्रकाशित नहीं किए गए, जिससे अनेक योग्य एवं पात्र अभ्यर्थियों को आवेदन का अवसर नहीं मिल सका। ऐसी परिस्थितियों में भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता पर स्वाभाविक रूप से प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। राजेश चौधरी ने आगे कहा कि यदि भर्ती प्रक्रिया में आर्थिक अनियमितताओं या प्रभाव के आरोप सामने आए हैं, तो केवल कुलपति को हटाने से मामले का समाधान नहीं होगा। आवश्यक है कि पूरी भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराई जाए तथा यदि जांच में अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं, तो संपूर्ण चयन प्रक्रिया को निरस्त किया जाए।कि प्रोफेसर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर के सभी रिक्त पदों के लिए नए सिरे से भर्ती विज्ञापन राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर के प्रमुख समाचार पत्रों तथा विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर व्यापक रूप से प्रकाशित किए जाएं। साथ ही चयन प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष और योग्यता आधारित बनाया जाए, ताकि प्रत्येक पात्र अभ्यर्थी को समान अवसर प्राप्त हो सके। कि भारतीय जनता पार्टी की राज्य सरकार यदि वास्तव में उच्च शिक्षा संस्थानों में पारदर्शिता एवं भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था स्थापित करना चाहती है, तो उसे केवल प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित न रहकर विवादित भर्ती प्रक्रिया की व्यापक समीक्षा कर उसे आवश्यक होने पर निरस्त करना चाहिए। इससे योग्य एवं वास्तविक प्रतिभागियों को न्याय मिलेगा।

स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्सिंग के फैसले पर कर्मचारियों का विरोध

बीजापुर प्रदेश के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में पैथोलॉजी लैब संचालन का जिम्मा केरल की ड्ढरू कंपनी को सौंपने के राज्य सरकार के निर्णय के खिलाफ स्वास्थ्य कर्मचारियों ने विरोध का ऐलान किया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने 22 जुलाई को रैली निकालकर मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने की घोषणा की है। संघ के जिलाध्यक्ष सदाशिव दुर्गम ने बताया कि सरकारी अस्पतालों का उद्देश्य आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उनका कहना है कि यदि लैब सेवाओं का संचालन निजी कंपनी के हाथों में जाता है तो जवाबदेही और निगरानी को लेकर कई व्यावहारिक सवाल खड़े होंगे। सरकारी कर्मचारियों पर विभागीय नियंत्रण रहता है, जबकि निजी एजेंसियों की कार्यप्रणाली अलग होती है। संघ ने आशंका जताई है कि यदि लैब सेवाओं के निजीकरण की शुरुआत हुई तो भविष्य में दवा वितरण व्यवस्था (फार्मेसी) सहित अन्य सेवाएं भी आउटसोर्सिंग के दायरे में आ सकती हैं। इससे विभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा प्रभावित होने के साथ ही पैरामेडिकल और फार्मेसी क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी कम हो सकते हैं।कर्मचारी संगठन का कहना है कि इस निर्णय से वर्तमान कर्मचारियों के भविष्य और नियमित भर्ती प्रक्रिया को लेकर अनिश्चितता का माहौल बन गया है।

बैंक ऑफबड़ौदा के 119वें स्थापना दिवस पर ग्राहकों का सम्मान, डिजिटल बैंकिंग की दी जानकारी

बीजापुर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने सोमवार को अपना 119वां स्थापना दिवस जिले की बीजापुर, गंगालूर और तर्रेम शाखाओं में ग्राहक सम्मान एवं जनजागरूकता दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम में बैंक के पुराने और सक्रिय ग्राहकों का सम्मान किया गया। साथ ही डिजिटल बैंकिंग सेवाओं, विभिन्न ऋण योजनाओं और साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूक किया गया।

बीजापुर शाखा के प्रबंधक सुनील कुमार पॉल और गंगालूर शाखा के प्रबंधक राज रोशन ने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा पिछले 119 वर्षों से देशभर में बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है। बदलते समय के साथ बैंक ने डिजिटल तकनीक को अपनाकर ग्राहकों के लिए बैंकिंग सेवाओं को पहले से अधिक आसान और सुरक्षित बनाया है।कार्यक्रम में मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई, एटीएम, कैश डिपॉजिट मशीन, बचत और चालू खाते, एफडी, आरडी, गृह, वाहन, शिक्षा और कृषि ऋण, मुद्रा योजना, पेंशन, बीमा तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्राहकों को साइबर ठगी से बचने के लिए ओटीपी, एटीएम पिन, सीवीवी और बैंक खाते की गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह भी दी गई।अधिकारियों ने कहा कि बैंक का उद्देश्य केवल वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि हर नागरिक को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है। ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने और पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में हितग्राहियों का सम्मान किया गया।

इस दौरान पंजाब नेशनल बैंक बीजापुर के शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्राहक मौजूद रहे।

435 छात्रों के भविष्य पर असर ! EMRS फरसकोट का निर्माण कार्य धीमी रफ्तार से जारी

-कांकेर। जिले के फरसकोट-भानुप्रतापपुर स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के द्वितीय चरण के निर्माण कार्य में हो रही देरी को लेकर पालकों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र निर्माण पूरा कराने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विद्यालय में 435 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। विद्यालय के दूसरे चरण के अंतर्गत छात्रावास एवं कर्मचारी आवास का निर्माण किया जाना है, लेकिन कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। इसके चलते लगभग 120 से अधिक छात्र-छात्राओं को आवासीय सुविधा का लाभनहीं मिल पा रहा है तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों को आवागमन सहित विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पालकों ने कहा कि विद्यालय को पूर्णतः आवासीय स्वरूप देने के लिए निर्माण कार्य समय पर पूरा होना आवश्यक है। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि संबंधित एजेंसी को निर्देशित कर निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि छात्रों को बेहतर शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। ज्ञापन पर बड़ी संख्या में पालकों और ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं, जिन्होंने प्रशासन से इस मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की है।

सीआरपीएफके आईजी ने तीन दिन तक नक्सल प्रभावित कैंपों का किया निरीक्षण

जवानों से कहा, हालात बेहतर हुए हैं लेकिन सतर्कता में कोई कमी नहीं आनी चाहिए

बीजापुर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के मध्य सेक्टर, लखनऊ के महानिरीक्षक अनिल कुमार ने 17 से 19 जुलाई तक बीजापुर जिले में तैनात 85वीं बटालियन का तीन दिवसीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नयापारा स्थित बटालियन मुख्यालय के साथ गंगालूर थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित मुदवेंडी, पुसनार और हिरोली कैंपों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था और जवानों की तैयारियों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान महानिरीक्षक ने 85वीं बटालियन के कमांडेंट सुनील कुमार राही के साथ विभिन्न कैंपों में तैनात जवानों से मुलाकात की। उन्होंने नक्सल विरोधी अभियानों में जवानों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति में सुधार के बावजूद ड्यूटी के दौरान सतर्कता और अनुशासन में किसी तरह की ढील नहीं बरती जानी चाहिए। आईजी ने जवानों को शारीरिक फिटनेस बनाए रखने और हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने की सलाह दी। उन्होंने सैनिक सम्मेलन में शामिल होकर जवानों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही बल की कल्याणकारी योजनाओं और संगठन के दिशा-निर्देशों की जानकारी भी साझा की।

तीन दिवसीय दौरे के दौरान महानिरीक्षक ने कैंपों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए सुरक्षा संबंधी तैयारियों का भी आकलन किया। अधिकारियों के अनुसार निरीक्षण का उद्देश्य परिचालन क्षमता, जवानों के मनोबल और उपलब्ध सुविधाओं का मूल्यांकन करना था।

हेरा पंचमी के उपलक्ष में श्री मामा जी ज्वैलर्स सोनी परिवार द्वारा भगवान जगन्नाथ जी को छप्पन भोग लगाया गया

किरन्दुल। उत्कल समाज विकास परिषद एवं श्री जगन्नाथ सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा हैं। रथ यात्रा के दौरान पड़ने वाले पर्व हेरा पंचमी पर्व विशेष श्रद्धा के साथ मनाया गया। परंपरा के अनुसार इस दिन माता लक्ष्मी भगवान जगन्नाथ से रुठकर गुंडिचा मंदिर पहुंचती हैं। इसी उपलक्ष्य में श्री मामा जी ज्वैलर्स सोनी परिवार द्वारा भगवान जगन्नाथ जी को भव्य छप्पन भोग अर्पित किया गया। खीर, पूरी, सब्जी, मिठाई, फल और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से सजी थालियों को विधि-विधान से भगवान को समर्पित किया गया। परिवार के सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर नगर वासियों की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। छप्पन भोग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भोग अर्पण के बाद प्रसाद को सभी भक्तों में वितरित किया गया।

बस्तर के युवाओं को सभी विभागों में मिले स्थानीय रोजगार, शिक्षक भर्ती-2026 में हल्बी, गोंडी व भतरी भाषा को प्राथमिकता देने की मांगः हेमंत कश्यप

बस्तर फाइटर्स तक सीमित न रहे भर्ती,चुनावी वादों के अनुरूप बनाई जाए स्पष्ट स्थानीय भर्ती नीति

जगदलपूर। युवा कांग्रेस आदिवासी नेता हेमंत कश्यप ने बस्तर फाइटर्स भर्ती में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने के राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह सकारात्मक पहल है, लेकिन केवल एक विभाग में स्थानीय भर्ती कर सरकार अपने चुनावी वादों की पूर्ति का दावा नहीं कर सकती। बस्तर के युवाओं से किए गए वादों को धरातल पर उतारने के लिए सभी शासकीय विभागों में स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की स्पष्ट नीति लागू करना आवश्यक है। हेमंत कश्यप ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी ने बस्तर के युवाओं से वादा किया था कि सत्ता में आने पर सभी शासकीय विभागों में स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। लेकिन सरकार बनने के ढाई वर्ष से अधिक समय बाद भी पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, आदिम जाति कल्याण, कृषि, लोक निर्माण और नगर प्रशासन सहित कई विभागों में स्थानीय युवाओं को अपेक्षित अवसर नहीं मिल पाए हैं। ऐसे में केवल बस्तर फाइटर्स भर्ती का उदाहरण देकर सरकार अपनी जिम्मेदारियों से नहीं बच सकती। उन्होंने कहा कि वन मंत्री केदार कश्यप चुनावी वादों को भूल चुके हैं। यदि उन्हें वास्तव में बस्तर के युवाओं की चिंता है तो उन्हें केवल बयान देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मुख्यमंत्री से चर्चा कर पूरे बस्तर संभाग के लिए प्रभावी स्थानीय भर्ती नीति लागू करवानी चाहिए। बस्तर के हजारों शिक्षित और योग्य युवा वर्षों से रोजगार की प्रतीक्षा कर रहे हैं और अब उन्हें केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि ठोस निर्णय चाहिए।

हेमंत कश्यप ने शिक्षक भर्ती-2026 को बस्तर के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए मांग की कि भर्ती प्रक्रिया में बस्तर की सामाजिक,सांस्कृतिक और भाषाई विशेषताओं का सम्मान किया जाए। उन्होंने कहा कि हल्बी,गोंडी एवं भतरी भाषा का ज्ञान रखने वाले स्थानीय अभ्यर्थियों को भर्ती में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्थानीय भाषा जानने वाले शिक्षक बच्चों के साथ बेहतर संवाद स्थापित कर सकेंगे, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी, स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति सुधरेगी तथा बस्तर की समृद्ध जनजातीय भाषा और संस्कृति के संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि बस्तर के स्थानीय युवा यहां की भौगोलिक परिस्थितियों, जनजातीय जीवन, संस्कृति और सामाजिक आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझते हैं। इसलिए स्थानीय युवाओं की नियुक्ति से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जनविश्वास और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिलेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से युवाओं का पलायन रुकेगा और क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई दिशा मिलेगी।युवा कांग्रेस आदिवासी नेता हेमंत कश्यप ने राज्य सरकार से मांग की कि बस्तर फाइटर्स तक स्थानीय भर्ती को सीमित न रखा जाए, बल्कि सभी शासकीय विभागों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की स्पष्ट नीति लागू की जाए। साथ ही शिक्षक भर्ती-2026 में स्थानीय अभ्यर्थियों के लिए विशेष प्रावधान किए जाएं तथा हल्बी, गोंडी और भतरी भाषा के ज्ञान को चयन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण आधार बनाया जाए।उन्होंने कहा कि बस्तर के युवा केवल चुनावी घोषणाएं नहीं, बल्कि अपने अधिकार और सम्मानजनक रोजगार चाहते हैं। सरकार को अब अपने वादों को अमल में लाकर बस्तर के युवाओं के साथ वास्तविक न्याय करना होगा।

मंदिर परिसर में घुसकर पुजारी से मारपीट की घटना की कड़ी निंदा, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

जगदलपूर। आज झाडेश्वर महादेव मंदिर साई मंदिर के पास पेट्रोल पंप के बाजू में परिसर में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जबरन प्रवेश कर मारपीट एवं हंगामा किए जाने की घटना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। पूजा-अर्चना और धार्मिक आस्था के केंद्र मंदिर में घुसकर पूजारी के साथ मारपीट एवं महिलाओं के साथ धक्का मुक्की इस प्रकार की हिंसक घटना न केवल श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि समाज की धार्मिक भावनाओं को भी आहत करती है। हम इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं तथा प्रशासन से मांग करते हैं कि मामले की निष्पक्ष जांच कर सभी दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए।हम सभी नागरिकों से भी अपील करते है कि शांति एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। कानून-व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। घटना स्थल पर मंदिर के पुजारी मंदिर में सेवा करने वाली महिलाएं विश्व हिंदू परिषद सह प्रांत मंत्री रवि ब्रह्मचारी जी अर्जुन परिहार विभाग सह मंत्री श्रीनिवासन रेड्डी जी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जबिता मंडावी जी जिला संयोजक विष्णु ठाकुर जी नगर सह संयोजक अजय प्रताप सिंह ,पंकज मिश्रा ,अनिल सिसोदिया ,अंशु नाग ,सूरज पटनायक ,रवि टेकाम ,राजू तोमर इनके अलावा काफ़ी संख्या में बजरंगी और मंदिर परिसर पर लोग मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

बूचड़खाने ले जाया जा रहा 26 भैंसों से भरा ट्रक पकड़ाया, चालक गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले की मरवाही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बूचड़खाने ले जाए जा रहे 26 भैंसों से भरे एक ट्रक को पकड़ लिया। पुलिस ने अमानवीय तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरे गए सभी मवेशियों को सुरक्षित मुक्त कराया, ट्रक जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 19-20 जुलाई की रात सूचना मिली थी कि एक ट्रक में बड़ी संख्या में भैंसों को अवैध रूप से बूचड़खाने ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार खिलारी के निर्देश पर थाना मरवाही, चौकी कोटमी और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने दानीकुंडी के पास घेराबंदी की। इस दौरान क्र70 तज्ञ 3794 नंबर के ट्रक को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ट्रक लेकर भाग निकला। पुलिस ने पीछा करते हुए कुम्हारी बस स्टैंड के पास ट्रक को रोक लिया। जांच के दौरान ट्रक में 26 भैंसें बेहद क्रूर तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरी हुई मिलीं। चालक से पशुओं के परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज और अनुमति पत्र मांगे गए, लेकिन वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने सभी मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकालकर नियमानुसार सुरक्षित स्थान पर भिजवाया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर आरोपी चालक वाल्मीक साकेत (30 वर्ष) निवासी रोहिया, थाना रामपुर बघेलान, जिला सतना (मध्यप्रदेश) के खिलाफ थाना मरवाही में अपराध क्रमांक 138/2026 के तहत छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 111 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार खिलारी ने मामले की एंड-टू-एंड विवेचना कर इस अवैध परिवहन से जुड़े सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

अवैध शिकार बना जानलेवाः युवक की गोली लगने से मौत का खुलासा, 12 आरोपी गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। गौरेला थाना क्षेत्र के ग्राम दरमोहली में अवैध शिकार के दौरान युवक की गोली लगने से हुई मौत के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त भरमार बंदूक सहित अन्य सामग्री जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने साक्ष्य छिपाने और जेल जाने से बचने के लिए मृतक के पिता और बड़े भाई को भी जान से मारने की धमकी दी थी तथा बिना पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार करा दिया था। पुलिस के मुताबिक 28 जून 2026 को ग्राम कोटवार हरिशचंद्र पनिका ने सूचना दी कि ग्राम दरमोहली के खैरवाटोला निवासी सरवन सिंह कुशराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है और परिजनों ने आनन-फानन में बिना पुलिस को सूचना दिए उसका अंतिम संस्कार कर दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार खिलारी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश मिश्रा, पर्यवेक्षण अधिकारी सत्यकला रामटेके, थाना प्रभारी शनिप रात्रे तथा एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतक के घर में खून के धब्बे मिले, जिससे मौत संदिग्ध प्रतीत हुई। चूंकि शव का अंतिम संस्कार किया जा चुका था, इसलिए पोस्टमार्टम संभव नहीं हो सका। पुलिस ने मर्ग कायम कर परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ शुरू की तथा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। पूछताछ में मृतक के बड़े भाई पवन सिंह कुशराम ने बताया कि 27 जून को उसका भाई सरवन सिंह अपने साथियों के साथ जंगल गया था। बाद में उसे गांव के कुछ लोगों ने जंगल बुलाया, जहां कई लोग मौजूद थे और उनके पास भरमार बंदूकें थीं। सभी लोग उससे माफी मांगने लगे और घटना किसी को नहीं बताने की गुहार लगाने लगे। जांच में खुलासा हुआ कि जंगल में अवैध शिकार के दौरान चली गोली सरवन सिंह के सीने में लग गई थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने घटना को छिपाने की साजिश रची, मृतक के परिजनों को धमकाया और बिना पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार करा दिया।

अतिक्रमण टूटा, बढ़ी रंजिश, परिवार समेत बच्चे को जान से मारने की धमकी

कोरबा। काशीनगर बस्ती में नगर निगम के अतिक्रमणरोधी अमले की तोड़फोड़ की कार्रवाई के बाद विवाद गहरा गया है। कार्रवाई के बाद प्रभावित कुछ लोगों ने इसके लिए मोहल्ले के दो लोगों पर जिम्मेदारी डाली। उनके घर पहुंच कर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। बच्चे को रास्ते से उठाकर मार डालने के लिए धमकाया गया। निगम कमिश्नर के लिए भी गाली-गलौज और अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया। पूरे मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। प्रार्थी शत्रुहन राठौर पिता स्व. रामायण राठौर अपने परिवार के साथ पुराना काशीनगर वार्ड क्र-24 में रहता है। 15 जुलाई 2026 को नगर निगम के तोड़फोड़ दस्ता के द्वारा मोहल्ले में आकर जिन व्यक्तियों के द्वारा अवैध निर्माण कराया गया था, उसे तोड़ा गया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश दिए

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में पहुंचे मस्तुरी क्षेत्र के ग्राम पंचायत दर्राभांठा के सरपंच ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि शासकीय भूमि पर संचालित रेशम पालन के नाम पर शासकीय राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। आवेदन में वर्तमान संचालक समूह एवं एक व्यक्ति पर पिछले कई वर्षों से अलग-अलग खातों में सरकारी राशि डालकर लाखों रुपये के दुरुपयोग करने की बात कहीं गई। ग्राम बाम्हू खैरा के दिव्यांग चंदन कुमार ने अपने घर के समीप स्थित शासकीय तालाब में मत्स्य पालन की अनुमति देने की मांग की। उन्होंने बताया कि वे पूर्ण रूप से दिव्यांग होने के कारण अन्य रोजगार करने में असमर्थ हैं तथा मत्स्य पालन के माध्यम से आत्मनिर्भर बनकर परिवार का पालन-पोषण करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इसी प्रकार ग्राम सेंदरी एवं कछार के किसानों ने संयुक्त आवेदन देकर सीबीजी संयंत्र के निर्माण के बाद बरसाती नाले की जल निकासी बाधित होने की शिकायत की। किसानों का कहना है कि पानी की उचित निकासी नहीं होने से खेतों में जलभराव हो रहा है, जिससे फसलें खराब हो रही हैं और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने बरसाती पानी की निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है। जनदर्शन में बेलगहना तहसील के ग्राम बहरामुड़ा निवासी लक्ष्मण सिंह ने भी आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि जनवरी 2026 में शॉर्ट सर्किट से उनका मकान एवं घरेलू सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया था। उन्होंने मुआवजा राशि के लिए पूर्व में आवेदन दिया था, लेकिन अब तक सहायता राशि प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने शीघ्र मुआवजा स्वीकृत कर भुगतान कराने की मांग की। मस्तुरी ब्लॉक के शाला प्रबंधन एवं विकास समिति धनगंवा के अध्यक्ष द्वारा शासकीय हाई स्कूल धनगवां में गणित विषय के शिक्षक की लंबे समय से कमी की चर्चा कलेक्टर से की गई। उन्होंने बताया कि शिक्षक के अभाव में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और बोर्ड परीक्षार्थियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। समिति ने जल्द से जल्द गणित शिक्षक की नियुक्ति करने की मांग की है। मंगला स्थित दीनदयाल कॉलोनी के रहवासियों ने ट्रांसफार्मर खराब होने से बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की। नागरिकों ने बताया कि कई घंटों तक बिजली गुल रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने नया ट्रांसफार्मर लगाने और स्थायी समाधान कराने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी। इसी प्रकार सरकंडा की दिव्यांग बबीता यादव ने कलेक्टर से ट्राई सायकल एवं अमेरी के रोहित कुमार ने मोपका गौशाला में बंद अपनी गाय को वापस दिलाने संबंधी ज्ञापन सौंपे। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने एवं समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।

किसानों से बीमा कराने की अपील,31 जुलाई तक करा सकते हैं फसल बीमा

■ कलेक्टर ने डीएलएमसी की बैठक में खरीफ2026 की तैयारियों एवं प्रगति की समीक्षा की

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय पर्यवेक्षण समिति की बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ 2026 की तैयारियों एवं प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों, बैंकों एवं मैदानी अमले को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक पात्र किसानों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही सभी बैंकों को 100 प्रतिशत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) सैचुरेशन सुनिश्चित करने तथा किसी भी पात्र केसीसी धारक किसान को अनावश्यक रूप से ऑप्ट-आउट नहीं करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि खरीफ 2026 के लिए जिले में धान (सिंचित एवं असिंचित), मक्का, उड़द, मूंग, अरहर, मूंगफली, कोदो, कुटकी एवं रागी फसलों को अधिसूचित किया गया है। जिले के लिए एचडीएफसी ईआरजीओ जनरल इंश्योरेंस कंपनी को अधिकृत बीमा कंपनी नियुक्त किया गया है। योजना का लाभ ऋणी, अऋणी, भू-धारक एवं बटाईदार किसान ले सकते हैं। किसानों को कुल बीमित राशि का केवल 2 प्रतिशत प्रीमियम देना होगा, जबकि शेष राशि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा वहन की जाएगी। अऋणी किसान आधार कार्ड, बैंक पासबुक, बी-1, पी-2 तथा फसल बुवाई प्रमाण-पत्र के साथ निकटतम सीएससी सेंटर, संबंधित बैंक अथवा लोक सेवा केंद्र में जाकर फसल बीमा करा सकते हैं। फसल क्षति होने पर 72 घंटे के भीतर कृषि रक्षक पोर्टल अथवा टोल-फ्री हेल्पलाइन 14447 पर सूचना देना अनिवार्य होगा, ताकि दावा प्रक्रिया समय पर प्रारंभ की जा सके।

सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों के सपनों को मिल रही नई उड़ान.....

बिलासपुर। बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने आज लाला लाजपत राय नगर स्थित स्वामी आत्मानंद विद्यालय एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजेंद्र नगर में आयोजित सरस्वती साइकिल योजना के साइकिल वितरण कार्यक्रम में शामिल होकर छात्राओं को साइकिल वितरित की। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के महत्व पर बल दिया। अमर अग्रवाल ने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना केवल छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराने की योजना नहीं, बल्कि बेटियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे छात्राओं के लिए विद्यालय तक पहुंच आसान होगी, उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। प्रदेश सरकार छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यह योजना बेटियों को अपने सपनों को साकार करने की नई प्रेरणा और नई गति प्रदान करेगी। अमर अग्रवाल ने कहा कि शिक्षित और सशक्त बेटियां ही समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। उन्होंने सभी छात्राओं से मन लगाकर अध्ययन करने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और जीवन में आगे बढ़कर परिवार, समाज तथा प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधिगण, विद्यालय परिवार, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

17 करोड़ रूपए का स्नेक बाइट मुआवजा घोटाला

■ डॉक्टर, 3 क्लर्क गिरफ्तार, कई और गिरफ्तारी की तैयारी

■ स्नेक बाइट स्कैम : फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाकर करोड़ों का मुआवजा हड़पा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित स्नेक बाइट मुआवजा घोटाले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सिम्स में पदस्थ रहीं डॉ. प्रियंका सोनी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एसडीएम कार्यालय के दो क्लर्क नरेंद्र कौशिक और गरीब राम बिंझवार, तथा तहसीलदार कार्यालय के क्लर्क हरिशंकर राठौर शामिल हैं। पुलिस जांच के अनुसार, फर्जी सर्पदंश (स्नेक बाइट) मामलों की रिपोर्ट तैयार कर 17 करोड़ 24 लाख रुपये से अधिक का सरकारी मुआवजा हासिल किया गया। फिलहाल इस घोटाले से जुड़े 16 मामलों की जांच जारी है और पुलिस का कहना है कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। मामले का खुलासा तब हुआ जब विधानसभा में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से यह मुद्दा उठाया। इसके बाद राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए थे। जांच में सामने आया कि पिछले तीन वर्षों में जशपुर जिले में सर्पदंश से 96 मौतें दर्ज हुईं, जबकि अकेले बिलासपुर में 431 मौतें दिखाकर करोड़ों रुपये का मुआवजा वितरित कर दिया गया।

सफलता की कहानी-सरकार एवं जनता के बीच भरोसे का पुल बना सेवा सेतु केंद्र.....

बिलासपुर। शासन की जनकल्याणकारी पहल सेवा सेतु केंद्र आम नागरिकों को सरकारी सेवाएं सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। पहले जहां जाति, निवास, आय, राशन कार्ड तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों के लिए लोगों के काफी समय लगते थे, वहीं अब सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से एक ही स्थान पर आवेदन, मार्गदर्शन और दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी होने लगी है। इससे नागरिकों का समय और धन दोनों की बचत हो रही है। जिले के कोटा विकासखंड के ग्राम अमने निवासी योगेश कुमार यादव भी सेवा सेतु केंद्र से लाभान्वित होने वाले नागरिकों में शामिल हैं। उन्हें अपने आवश्यक कार्य के लिए जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। उन्होंने सेवा सेतु केंद्र पहुंचकर आवेदन जमा किया। केंद्र के कर्मचारियों ने उन्हें पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी तथा आवेदन को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ाया। आवेदन जमा करने के कुछ ही दिनों के भीतर उनका जाति प्रमाण पत्र तैयार हो गया। समय पर प्रमाण पत्र मिलने से उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने बताया कि सेवा सेतु केंद्र शुरू होने के बाद प्रक्रिया काफी आसान और सुविधाजनक हो गई है। योगेश कुमार यादव ने कहा कि सेवा सेतु केंद्र में उन्हें बिना किसी अनावश्यक परेशानी के समय पर सेवा मिली। कर्मचारियों ने सहयोगपूर्ण व्यवहार करते हुए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई, जिससे उनका कार्य शीघ्र पूरा हो सका। उन्होंने इस जनहितकारी व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी पहल से आम नागरिकों को बड़ी राहत मिल रही है। सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र सहित विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ नागरिकों तक पहुंचाया जा रहा है। शासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से मिले। सेवा सेतु केंद्र इसी उद्देश्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बाढ़ प्रभावितों को शीघ्र राहत दिलाने सर्वे कर तत्काल प्रकरण बनाएं-कलेक्टर अग्रवाल.......

■ टीएल बैठक में योजनाओं की समीक्षा, सीएम हेल्पलाइन, मौसमी बीमारियों, पीएम सूर्यघर, कृषि कार्य के संबंध में दिए महत्वपूर्ण निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाल की अतिवृष्टि एवं बाढ़ से प्रभावित लोगों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए राजस्व अमला तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कर राहत प्रकरण तैयार करे तथा नियमानुसार शीघ्र स्वीकृति देकर पात्र हितग्राहियों को मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण करने तथा बाढ़ से शासकीय भवनों एवं अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों को हुई क्षति का आकलन कर उसकी रिपोर्ट राहत शाखा को तत्काल भेजने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे स्वयं शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करें और प्रारंभिक स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि अनावश्यक रूप से प्रकरण उच्च स्तर पर लंबित या स्थानांतरित न हों। उन्होंने राजस्व, विद्युत एवं नगरीय निकायों से संबंधित कुछ निराकृत प्रकरणों की गुणवत्ता का परीक्षण भी किया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। केंद्रीय जेल में हाल के दिनों में हुई कैदियों की आकस्मिक मौतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अगले एक-दो दिनों के भीतर विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में सभी आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए जाएं तथा हृदय संबंधी जांच के लिए ईसीजी मशीन की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग को पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे तथा आमजन को मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति व्यापक रूप से जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में जर्जर भवनों में स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र अथवा अस्पताल संचालित नहीं किए जाएं। ऐसे भवनों के लिए अस्थायी वैकल्पिक व्यवस्था की जाए तथा आवश्यकता अनुसार नए भवनों के प्रस्ताव भेजे जाएं। बैठक में उन्होंने स्कूलों में अब तक अप्राप्त पाठ्यपुस्तकों की जानकारी भी संबंधित विभाग से तलब की। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिले में अब तक लगभग साढ़े पांच हजार संयंत्र ही स्थापित हो पाए हैं, जबकि 11 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने योजना की प्रगति में तेजी लाने के लिए विशेष शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों के आवेदन तैयार करने के निर्देश दिए।

जीवित को सरकारी रिकॉर्ड में मृत बताकर हटाई नौकरी

हाईकोर्ट ने कमिश्नर का आदेश किया रद्द

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक अहम मामले में सरकारी तंत्र की गंभीर लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए सरगुजा संभाग के तत्कालीन कमिश्नर का आदेश निरस्त कर दिया। मामले में एक जीवित व्यक्ति को सरकारी रिकॉर्ड में मृत मानकर कोटवार पद से हटा दिया गया था। हाईकोर्ट ने आदेश को त्रुटिपूर्ण बताते हुए मामले की दोबारा सुनवाई के लिए कमिश्नर न्यायालय को वापस भेज दिया है।मामला जशपुर जिले के मनोरा तहसील स्थित ग्राम गजमा का है। यहां के निवासी मरियानुस एक्का को ग्राम पंचायत का कोटवार नियुक्त किया गया था। उनकी नियुक्ति को सुबोध कुमार तिर्की ने एसडीएम न्यायालय में चुनौती दी थी, लेकिन एसडीएम ने अपील खारिज कर दी। इसके बाद सुबोध तिर्की ने सरगुजा कमिश्नर के समक्ष द्वितीय अपील दायर की।कमिश्नर ने 18 जून 2018 को अपील स्वीकार करते हुए यह मान लिया कि मरियानुस एक्का की मृत्यु हो चुकी है, और इसी आधार पर उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी। इसके खिलाफ मरियानुस एक्का ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बताया कि वे जीवित हैं और कमिश्नर का आदेश पूरी तरह गलत तथ्यों पर आधारित है।मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की एकलपीठ ने राज्य शासन से यह स्पष्ट करने को कहा कि याचिकाकर्ता जीवित हैं या नहीं।

वास्तु में तांबे के सूर्य को माना गया है शुभ

घर सिर्फ ईंट और सीमेंट की दीवारें नहीं होता, बल्कि यह हमारी ऊर्जा, विचारों और खुशियों का केंद्र भी होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में रखी हर एक छोटी-बड़ी चीज अपने भीतर एक खास ऊर्जा समेटे होती है- कुछ चीजें सकारात्मक होती हैं तो कुछ नकारात्मक और इस ऊर्जा के आदान-प्रदान का सबसे बड़ा जरिया होता है हमारे घर का मुख्य द्वार। जिस तरह हम अपने घर में मेहमानों का स्वागत मुस्कुराकर करते हैं, बिल्कुल उसी तरह मुख्य द्वार पर ऐसी चीज रखनी चाहिए जिससे मां लक्ष्मी और पॉजिटिव एनर्जी खिंची चली आए। वास्तु शास्त्र में तांबे का सूर्य मुख्य द्वार पर लगाना बेहद ही शुभ माना जाता है।

मुख्य द्वार पर लगाएं तांबे का सूर्य

वास्तु शास्त्र के अनुसार तांबे का सूर्य लगाने का सबसे शुभ स्थान घर का मुख्य द्वार होता है। क्योंकि मुख्य द्वार से ही घर में सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और मां लक्ष्मी का प्रवेश होता है। अगर आपके घर में लगातार परेशानियां बढ़ रही हैं, बनते काम बिगड़ रहे हैं या बिना बात के कलह का माहौल बना रहता है तो इन सबकी वजह मुख्य द्वार का वास्तु दोष हो सकता है। इस दोष से छुटकारा दिलाने में तांबे का सूर्य आपके लिए बेहद ही फायदेमंद साबित होगा। लेकिन तांबे का सूर्य तभी फायदा देता है जब उसे लगाते समय सही नियमों का पालन किया जाए।

आखिर इतना खास क्यों होता है तांबे का सूर्य?

ज्योतिष व वास्तु शास्त्र में सूर्य को ग्रहों का राजा माना गया है और सूर्य देव सफलता, मान-सम्मान, वृद्धि व आरोग्य के कारक माने जाते हैं। वहीं तांबे की बात करें तो तांबा सूर्य की मुख्य धातु है और जब तांबे व सूर्य की आकृति मिलती है तो इससे एक पावरफुल एनर्जी का निर्माण होता है। जिससे घर में पॉजिटिविटी आती है। यही वजह है कि तांबे के सूर्य को बेहद शुभ माना गया है।

मुख्य द्वार पर तांबे का सूर्य लगाने के नियम

तांबे का सूर्य घर के मुख्य द्वार पर लगाया जाता है लेकिन इसे मुख्य द्वार की पूर्व दिशा वाली दीवार पर लगाना शुभ होता है।

यदि घर का मुख्य द्वार पूर्व दिशा में नहीं है तो तांबे के सूर्य को घर के भीतर पूर्व वाली दीवार पर लगाना शुभ होता है। लेकिन ध्यान रखें कि इसे इस तरह से लगाएं कि इस पर रोशनी पड़ती रहे।

तांबे का सूर्य लगाते समय ऊंचाई का भी खास ध्यान रखना चाहिए। कोशिश करें कि तांबे का सूर्य जमीन से कम से कम 7 से 8 फीट की ऊंचाई पर लगा हो।

तांबे का सूर्य लगाने के फायदे

घर के मुख्य द्वार पर तांबे का सूर्य लगाने से निगेटिव एनर्जी का नाश होता है और घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है।

अगर आपके बिजनेस में परेशानियां या बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं तो बिजनेस के मुख्य द्वार पर तांबे का सूर्य लगाएं, इससे तरक्की के रास्ते खुलेंगे।

तांबे का सूर्य समाज में मान-सम्मान बढ़ाता है और आत्मविश्वास की भी बढ़ोत्तरी होती है।

दूसरों की इन चीजों को भूलकर भी ना करें इस्तेमाल

वास्तु शास्त्र के अनुसार दूसरों की कुछ चीजों को गलती से भी मांगकर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। जानिए ऐसी 6 चीजों के बारे में।

वास्तु के अनुसार जिंदगी पर बुरा प्रभाव छोड़ सकती हैं

वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें दूसरों से मांगकर इस्तेमाल करने से हमें थोड़ा बचना चाहिए। वास्तु मान्यता है कि इन चीजें जिंदगी पर बुरा प्रभाव छोड़ सकती हैं।

घड़ी : अक्सर लोग आपस में अदला-बदली करके एक-दूसरे की घड़ी पहन लेते हैं लेकिन वास्तु में इस आदत को शुभ नहीं माना जाता है। दरअसल घड़ी हर व्यक्ति के अच्छे-बुरे समय का प्रतीक होती है। ऐसे में अपनी घड़ी पहनना ही सही रहता है।

पेन : वास्तुशास्त्र के नियम के हिसाब से किसी का पेन काफी लंबे समय तक अपने पास नहीं रखना चाहिए। अगर किसी से जरूरी काम के लिए पेन लिया हो तो उसे इस्तेमाल करने के बाद तुरंत लौटा देना चाहिए नहीं तो इससे करियर में रुकावटें पैदा होती हैं।

ज्वेलरी : दूसरों की ज्वेलरी को भी पहनने से बचना चाहिए। ज्योतिषीय मान्यता है कि ज्वेलरी व्यक्ति के ग्रह एनर्जी से जुड़े होते हैं। ऐसे में इन्हें बहुत ही सोच-समझकर ही पहनना चाहिए।

जूते-चप्पल : वास्तुशास्त्र के नियम के हिसाब से कभी किसी के जूते चप्पल भी नहीं पहनने चाहिए। वास्तु में मान्यता है कि दूसरों के जूते-चप्पल पहनने से नेगेटिव एनर्जी और परेशानियां हमारी जिंदगी को प्रभावित कर सकती है।

रूमाल : दूसरों का रूमाल इस्तेमाल करना भी वास्तुशास्त्र में सही नहीं माना जाता है। ऐसा करने से बचने की सलाह दी जाती है। निजी चीजों को अलग रखना बेहतर होता है।

कंघी : ये पूरी तरह से बहुत ही पर्सनल चीज है। इसका इस्तेमाल खुद ही करना चाहिए। किसी दूसरे के कंघी इस्तेमाल करने से बचने की कोशिश करनी चाहिए। इसका संबंध व्यक्ति की एनर्जी से ही होता है। ऐसे में इसे मांगकर इस्तेमाल ना करने से बचें।

डिस्क्लेमर- इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज अपने रिश्ते को दूसरों के सामने साबित करने की कोशिश न करें। सच्चा प्रेम विश्वास और समझ से मजबूत होता है, दिखावे से नहीं। किसी छोटी बात पर साथी के साथ मतभेद हो सकते हैं, लेकिन धैर्य और शांत बातचीत से स्थिति सामान्य हो जाएगी।

वृषभ राशि - यदि पिछले कुछ समय से रिश्ते में दूरी या गलतफहमियां चल रही हैं, तो आज उन्हें दूर करने का अच्छा अवसर मिल सकता है। किसी अनुभवी या भरोसेमंद व्यक्ति की सलाह आपके रिश्ते को नई दिशा दे सकती है। साथी के साथ खुलकर बातचीत करें, इससे मन का बोझ भी हल्का होगा और विश्वास बढ़ेगा।

मिथुन राशि - आज आपका रिश्ता पहले की तरह ताजगी और अपनापन महसूस कराएगा। छोटी-छोटी नोकझोंक के बावजूद आप दोनों के बीच प्यार और समझ बनी रहेगी। यदि काफी समय से साथ समय नहीं बिता पाए हैं, तो आज कुछ यादगार पल बिताने का अवसर मिल सकता है। रिश्ते में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

कर्क राशि - आज मन थोड़ा भावुक रह सकता है, इसलिए साथी के साथ समय बिताने की इच्छा बढ़ेगी। किसी शांत और सुकून भरी जगह पर बातचीत करने से मन हल्का महसूस होगा। यदि किसी बात को लेकर मन में संदेह है, तो उसे दबाने के बजाय अपने पार्टनर से साझा करें। इससे रिश्ता और मजबूत होगा।

सिंह राशि - आज अपने अहंकार को रिश्ते के बीच न आने दें। आपकी एक छोटी-सी बात भी साथी को आहत कर सकती है। यदि किसी मुद्दे पर मतभेद हो, तो उसे शांतिपूर्वक सुलझाने की कोशिश करें। रिश्ते में प्रेम और सम्मान बनाए रखने के लिए अपनी बात विनम्रता से रखें।

कन्या राशि - प्रेम जीवन के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। साथी के प्रति आपकी ईमानदारी और समर्पण रिश्ते को और मजबूत बनाएगा। यदि आपने कोई वादा किया है, तो उसे निभाने की पूरी कोशिश करें। इससे दोनों के बीच भरोसा और भावनात्मक जुड़ाव पहले से अधिक मजबूत होगा।

तुला राशि- आज रिश्ते में पारदर्शिता बनाए रखना बेहद जरूरी है। अपनी भावनाओं और विचारों को साथी से छिपाने के बजाय खुलकर साझा करें। दोहरा व्यवहार या बातों को छिपाना भविष्य में गलतफहमियां बढ़ा सकता है। सच्चाई और ईमानदारी आपके रिश्ते को नई मजबूती देगी। परिवार में यदि किसी बात को लेकर मतभेद चल रहे थे।

वृश्चिक राशि - आज साथी से मिलने वाली तारीफ या सराहना आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगी। प्रेम जीवन में मधुरता बनी रहेगी और कोई पुरानी इच्छा पूरी होने की संभावना भी है। यदि रिश्ते में पहले कोई तनाव था, तो आज उसे दूर करने का अच्छा मौका मिल सकता है। साथ बिताया गया समय यादगार रहेगा।

धनु राशि- यदि आप किसी के सामने अपने प्रेम का इजहार करने की सोच रहे हैं, तो थोड़ा धैर्य रखना बेहतर होगा। जल्दबाजी में लिया गया फैसला आपकी उम्मीदों के अनुसार परिणाम नहीं दे सकता। सही समय का इंतजार करें और पहले सामने वाले की भावनाओं को समझने का प्रयास करें।

मकर राशि - आज साथी के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे रिश्ते में नजदीकियां बढ़ेंगी। विवाह या भविष्य को लेकर बातचीत हो सकती है, लेकिन यदि आप अभी मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं तो जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। प्रेम जीवन में खुशियों का माहौल बना रहेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान मिलने के संकेत हैं।

कुंभ राशि- आज आपके प्रेम जीवन में नई ताजगी और उत्साह का संचार होगा। पुराने मतभेद दूर होकर रिश्ते में मधुरता आएगी। अविवाहित लोगों को धैर्य बनाए रखना चाहिए, क्योंकि जल्द ही कोई शुभ अवसर मिल सकता है। साथी आपकी बातों को समझने की पूरी कोशिश करेगा। लंबे समय से रुका हुआ सरकारी काम पूरा होने के संकेत हैं।

मीन राशि- आज रिश्ते में तनाव की स्थिति बन सकती है। आपकी चुप्पी या उदासीनता साथी को गलत संदेश दे सकती है। किसी भी गलतफहमी को बढ़ने देने के बजाय खुलकर बातचीत करें। धैर्य और समझदारी से लिया गया कदम रिश्ते में फिर से मिठास ला सकता है। रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए किए गए आपके प्रयास सुखद परिणाम देंगे। प्रेम जीवन में संतोष और खुशियों का अनुभव होगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

भगवान जगन्नाथ रथ की सदियों पुरानी मंदिर परंपरा का धार्मिक महत्व

तीनों रथों की ऊंचाई, पहिए और रंग अलग क्यों होते हैं?

ओडिशा के पुरी में निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में गिनी जाती है। हर साल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के दिन लाखों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए पुरी पहुंचते हैं। लेकिन इस यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण तीनों विशाल रथ होते हैं। पहली नजर में देखने पर ये रथ एक जैसे लग सकते हैं, लेकिन वास्तव में तीनों के नाम, रंग, ऊंचाई, पहियों की संख्या, ध्वज, सारथी, घोड़े और प्रतीक अलग-अलग होते हैं। यह अंतर किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि सदियों पुरानी मंदिर परंपरा और धार्मिक मान्यताओं का हिस्सा है।

सबसे पहले किसका रथ चलता है?

रथयात्रा में सबसे आगे भगवान बलभद्र का रथ चलता है। इसके बाद देवी सुभद्रा का रथ और सबसे अंत में भगवान जगन्नाथ का रथ निकलता है। यह क्रम सदियों से चला आ रहा है और आज भी उसी परंपरा का पालन किया जाता है।

भगवान बलभद्र का रथ – तालध्वज

रथयात्रा में सबसे पहले निकलने वाला रथ भगवान बलभद्र का होता है, जिसे तालध्वज कहा जाता है।

रथ की ऊंचाई : लगभग 45 फीट, पहियों की संख्या : 14, रथ का रंग : हरा और लाल, घोड़े : 4 सफेद घोड़े, ध्वज : तालध्वज, सारथी : मातलि। तालध्वज नाम ताड़ के प्रतीक से जुड़ा माना जाता है। हरा रंग प्रकृति, संतुलन और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। भगवान बलभद्र को कृषि, धरती और बल का देवता भी माना जाता है, इसलिए उनके रथ का स्वरूप भी उसी भावना को दर्शाता है।

देवी सुभद्रा का रथ – दर्पदलन

रथयात्रा में बीच में चलने वाला रथ देवी सुभद्रा का होता है। इसे दर्पदलन या देवदलन कहा जाता है।

रथ की ऊंचाई : लगभग 44.5 फीट। पहियों की संख्या : 12 रथ का रंग : काला और लाल।

घोड़े : 4 लाल (गहरे रंग के) घोड़े। सारथी : अर्जुन। दर्पदलन का अर्थ है अहंकार का नाश करने वाला। यह रथ इस बात का संदेश देता है कि ईश्वर के सामने अहंकार का कोई स्थान नहीं है। तीनों रथों में यह आकार में सबसे छोटा होता है, लेकिन धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व उतना ही बड़ा माना जाता है।

भगवान जगन्नाथ का रथ – नंदीघोष

सबसे अंत में भगवान जगन्नाथ का रथ निकलता है। यही रथ सबसे बड़ा और सबसे भव्य माना जाता है।

रथ की ऊंचाई : लगभग 45.6 फीट। पहियों की संख्या : 16। रथ का रंग : पीला और लाल। घोड़े : 4 सफेद घोड़े। सारथी : दारुक। नंदीघोष का अर्थ आनंद और विजय का घोष माना जाता है। पीला रंग ज्ञान, प्रकाश और समृद्धि का प्रतीक है। रथयात्रा में सबसे अधिक श्रद्धालु इसी रथ की रस्सी खींचने के लिए उत्सुक रहते हैं।

रंग अलग क्यों रखे गए हैं?

जगन्नाथ परंपरा में रंग केवल सजावट नहीं, बल्कि देवस्वरूप का प्रतीक माने जाते हैं। भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष पर लाल और पीले रंग का आवरण चढ़ाया जाता है। लोकव्याख्याओं के अनुसार पीला रंग भगवान श्रीकृष्ण के पीतांबर, ज्ञान, प्रकाश और लोककल्याण का प्रतीक माना जाता है, जबकि लाल रंग शक्ति, उत्साह और मंगल का संकेत देता है। इसलिए नंदीघोष को दिव्यता और करुणा के संगम का प्रतीक माना जाता है। भगवान बलभद्र के तालध्वज पर लाल और हरे रंग का संयोजन होता है। बलभद्र का संबंध हल, कृषि और धरती से जोड़ा जाता है।

तीन देवता, तीन रथ और तीन अलग पहचान

रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ नंदीघोष, भगवान बलभद्र तालध्वज और देवी सुभद्रा दर्पदलन (देवदलन) रथ पर विराजमान होते हैं। मंदिर की परंपरा के अनुसार तीनों रथ हर साल नए बनाए जाते हैं, लेकिन उनका आकार, माप, रंग, पहियों की संख्या और स्वरूप सदियों से लगभग एक जैसा रखा जाता है। इसे रथ निर्माण की परंपरा का सबसे महत्वपूर्ण नियम माना जाता है।

बच्चों में कैल्शियम की कमी के लक्षण

बच्चों के बेहतर शारीरिक और मानसिक विकास दोनों के लिए कैल्शियम का ठीक से होना बेहद ही जरूरी होता है। कुछ बच्चों में बचपन से ही कैल्शियम की कमी काफी ज्यादा हो जाती है, जिससे उनके लिए काफी ज्यादा परेशानियां खड़ी हो जाती है। कैल्शियम सबसे जरूरी पोषक तत्वों में से एक माना जाता है, जो शरीर के लिए काफी ज्यादा जरूरी होता है। ह केवल हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने का काम नहीं करता, बल्कि मांसपेशियों, नसों और दिल को भी हेल्दी रखने का काम करती है। बच्चे के शरीर में लंबे समय तक कैल्शियम की कमी बनी रहने से कुछ लक्षण दिखाई देते हैं, जिनको गलती से भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, आइए आपको बताते हैं।

दांत कमजोर होना

अगर आपके बच्चों में कैल्शियम की कमी काफी ज्यादा हो जाती है, तो दांत कमजोर काफी ज्यादा हो जाते हैं। दांत जल्दी खराब होना, कैविटी बढ़ना या दांतों का कमजोर होना भी इसाक इशारा देता है, तो आपको कैल्शियम की कमी हो गई है।

हड्डियों और जोड़ों में दर्द

बच्चों में कैल्शियम की कमी काफी ज्यादा होने की वजह से हड्डियों और जोड़ों में दर्द काफी ज्यादा होने लग जाता है, जिससे बच्चें काफी ज्यादा परेशान रहते हैं।

मांसपेशियों में ऐंठन

बच्चों में कैल्शियम की कमी होने के कारण मांसपेशियों में ऐंठन की समस्या काफी ज्यादा हो सकती है और इसको आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हाथ-पैरों में बार-बार ऐंठन आना या मांसपेशियों में खिंचाव महसूस भी कैल्शियम की कमी का संकेत है।

ग्रोथ धीमी होना

अगर आपके बच्चों में कैल्शियम की कमी काफी ज्यादा होनी लगे, तो आपको समझ लेना चाहिए ग्रोथ भी इसी वजह के कारण कम होती जा रही है। इसके कई अन्य कारण भी हो सकते हैं, इसलिए जांच आपको जरूर करवानी चाहिए।

थकान और कमजोरी

कैल्शियम की कमी के कारण आपके शरीर में थकान और कमजोरी भी होनी शुरू हो सकती है, लेकिन आपको इसको नजरअंदाज करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

बालों को गीला होने से बचाएं

मॉनसून में पसीना और नमी बालों को भी नुकसान पहुंचाता है। और, सबसे ज्यादा समस्या गीले बालों को सुखाने की होती है। खासतौर पर जब आप बाल धोए बगैर नहाती हैं और फोरहेड के पास की हेयरलाइन और कानों के आसपास के बाल गीले हो जाते हैं, तो इन्हें सुखाना झंझट लगता है। कई बार तो इन गीले हुए बालों की वजह से ही पूरे बालों को धोना पड़ता है। तो अगर आपके बाल भी नो हेयर वॉश वाले डेज में गीले हो जाते हैं तो बस ये DIY कैप बना लें। जो बालों को कॉर्नर से गीला होने से बचाएंगे।

ये घरेलू नुस्खे दिला सकते हैं आराम

शॉवर कैप हो जाती है बेअसर

फोरहेड एरिया और कान के पास के बाल गीले हो जाते हैं और इस वजह से आपको बाल धोने पड़ जाते हैं तो ये हैक काम आएगा। क्योंकि मार्केट में मिलने वाली सिंपल शॉवर कैप भी इन साइड के बालों को गीला होने से नहीं बचा पाती है। इसके लिए ये डीआईवाई हैक आपके काम आएगा।

सूखे बालों को गीला होने से कैसे बचाएं

नहाते वक्त बालों को गीला होने से बचाना है तो सिंपल सा हैक मदद करेगा। इससे बाल गीले नहीं होंगे और पूरे बालों को धोना नहीं पड़ेगा। बस एक पुरानी टीशर्ट लें और उसकी मदद से बालों को बचाएं।

सारे बालों को इकट्ठा करें और टीशर्ट के नेक एरिया को सिर में फंसाएं। बस नीचे वाले हिस्से को पीछे ले जाकर स्लीव की गांठ लगाकर फिक्स कर लें। बालों को गीला होने से बचाने का ये सबसे आसान तरीका है। या फिर किसी फुल स्लीव वाली टीशर्ट को लें। बालों को बांधकर टीशर्ट को सिर पर लपेटें और फिर फुल स्लीव को सिर के चारों तरफ घुमाकर पीछे ले जाकर बांध दें। इस तरह से बालों में पानी डायरेक्ट नहीं पहुंचेगा

जब भी नहाने जाएं तो बालों को ऊपर की ओर उठाकर बन बनाएं। नीचे की तरफ अगर बन होगा तो पानी से गीला हो जाएगा। इसलिए बालों में हाई बन बनाएं। शॉवर कैप की जगह आप सिंपल किसी भी पॉलीथिन लेकर उसे सिर में फंसाएं और क्लिप की मदद से फिक्स करके टिका लें। ये भी बालों को गीला होने से रोकने में मदद करेगा और नो वॉश हेयर डे वाले दिन बाल सूखे रहेंगे।

अगर साइड के बाल छोटे हैं और जूड़ा या बन बनाने के बाद भी बाहर निकल जाते हैं तो क्लिप से सिक्योर करें। साथ ही बालों को गीला होने से बचाने के लिए बस किसी भी छोटी हैंड टॉवल को लेकर सिर पर लपेटें और क्लिप लगा लें। ये तरीका बालों को साइड से गीला होने से बचाएगा।

नमक का पानी- मुंह के छालों में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला उपाय नमक के पानी से कुल्ला करना है। नमक में मौजूद सोडियम क्लोराइड शरीर के लिए एक सामान्य तत्व है, जब नमक पानी में घुलकर कुल्ले के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो यह मुंह में मौजूद अतिरिक्त बैक्टीरिया की संख्या को कम करने में मदद करता है। नमक में एंटीमाइक्रोबियल प्रभाव होता है, यह हानिकारक सूक्ष्म जीवों को बढ़ने से रोकता है, इसके अलावा नमक वाला पानी छाले वाली जगह से गंदगी हटाने और सूजन कम करने में मदद करता है।

शहद आएगा काम- शहद भी छालों में राहत देने वाला एक पुराना उपाय है। शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफलेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो बैक्टीरिया को कम कर सूजन को खत्म करने में मदद करता है। शहद में मौजूद प्राकृतिक शर्करा और अन्य तत्व छाले वाली जगह पर एक सुरक्षात्मक परत बनाते हैं, जिससे बाहरी जलन कम महसूस होती है, इसके अलावा शहद में पाए जाने वाले कुछ एंटीऑक्सीडेंट तत्व शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं।

नारियल तेल- नारियल तेल में मौजूद लॉरिक एसिड इसका एक महत्वपूर्ण गुण माना जाता है। लॉरिक एसिड बैक्टीरिया और सूजन से लड़ता है, जब नारियल तेल छाले वाली जगह पर लगाया जाता है, तो यह उस हिस्से को नम बनाए रखने में मदद करता है। मुंह की सूखी त्वचा में जलन ज्यादा महसूस होती है, इसलिए नमी बनाए रखने से दर्द कम होता है। हालांकि, हर व्यक्ति की त्वचा अलग होती है, इसलिए अगर किसी को तेल लगाने से परेशानी बढ़े तो इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

बेकिंग सोडा- बेकिंग सोडा भी कुछ लोग मुंह के छालों में इस्तेमाल करते हैं, इसमें मौजूद सोडियम बाइकार्बोनेट मुंह के अम्लीय स्तर को संतुलित करने में मदद करता है। कई बार ज्यादा अम्लीय वातावरण में जलन और दर्द बढ़ सकता है। बेकिंग सोडा पानी में मिलाने से मुंह का पीएच स्तर सामान्य रहता है, जिससे छाले वाली जगह पर जलन कम महसूस होती है।

ठंडी चीजें- ठंडी चीजें जैसे बर्फ या ठंडा पानी भी दर्द कम करने में मदद करते हैं। ठंडक से कुछ समय के लिए उस जगह की नसों की संवेदनशीलता कम हो जाती है, जिससे दर्द का एहसास कम होता है। हालांकि बर्फ को सीधे लंबे समय तक छाले पर नहीं रखना चाहिए, अगर छाले दो हफ्ते से ज्यादा समय तक ठीक न हों तो डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

मुंह के छालों से हो गए हैं परेशान?

मुंह में होने वाले छाले छोटे जरूर होते हैं लेकिन इनकी वजह से होने वाली परेशानी काफी ज्यादा हो सकती है, ये खाने, बोलने और पानी पीने में भी दर्द पैदा करते हैं। आमतौर पर ये छाले कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो जाते हैं, लेकिन इस दौरान दर्द और जलन को कम करने के लिए लोग कई घरेलू उपाय अपनाते हैं। इन उपायों में इस्तेमाल होने वाली चीजों में कुछ ऐसे प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं, जो मुंह की सूजन, जलन और संक्रमण को कम करने में मदद कर सकते हैं। विज्ञान के अनुसार, मुंह के छाले कई कारणों से हो सकते हैं। शरीर में विटामिन बी12, आयरन या फोलिक एसिड की कमी, तनाव, हार्मोन में बदलाव, मुंह में चोट लगना या शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता कम होना इसके पीछे वजह हो सकती है। हालांकि घरेलू उपाय छाले की परेशानी को कम कर सकते हैं, लेकिन अगर छाले लंबे समय तक बने रहें तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी होता है।

सोते समय ध्यान देने योग्य बातें...

हर कोई चाहता है कि उसकी स्किन हमेशा हेल्दी, स्मूद और यंग दिखे। इसके लिए लोग महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स खरीदते है, अच्छी डाइट लेते हैं और रोज 7-8 घंटे की नींद भी पूरी करते हैं। लेकिन कई बार लोगों की शिकायत होती है कि इतना सब करने के बाद भी स्किन ड्राई और डल दिखती है या उम्र से पहले ही स्किन पर एजिंग के साइन नजर आने लगे हैं।

ज्यादातर लोग सोते समय फोन चलाते हैं और फिर मोबाइल को तकिए के पास रखकर ही सो जाते हैं। डॉक्टर सलीम जैदी बताते हैं, आपकी ये आदत आपकी स्किन को सीधा नुकसान पहुंचाती है। मोबाइल से निकलने वाली EMF रेडिएशन फ्लाइट मोड में भी शरीर पर असर डाल सकती हैं।

गर्मी में AC के बिना सोना मुश्किल लगता है, लेकिन पूरी रात AC चलाने से कमरे की हवा ड्राई हो जाती है। वहीं, लगातार 7 से 8 घंटे तक ड्राई हवा में रहने से स्किन अपनी नमी खोने लगती है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में ई-कोर्ट परियोजना के नवीन डिजिटल मॉड्यूलों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दुर्ग। ई-कोर्ट परियोजना के अंतर्गत न्यायालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा न्याय वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित, सुगम एवं तकनीक-सक्षम बनाने के उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के चतुर्थ तल स्थित नवीन सभागार में न्याय श्रुति, ई-साक्ष्य, ई-समन, ई-चालान, सीसीटीएनएस तथा आईसीजेएस विषयों पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन एवं समन्वय दीपक कोशले, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग तथा रवि महोबिया, व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी), दुर्ग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायपालिका के समस्त न्यायिक अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यशाला में ई-कोर्ट परियोजना के अंतर्गत विकसित नवीन डिजिटल मॉड्यूलों के व्यावहारिक उपयोग, उनकी कार्यप्रणाली तथा न्यायालयीन कार्यों में उनके प्रभावी क्रियान्वयन का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान न्याय श्रुति के माध्यम से न्यायालयीन कार्यवाही के डिजिटल ट्रांसक्रिप्शन, ई-साक्ष्य द्वारा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन, ई-समन के माध्यम से समन की त्वरित एवं पारदर्शी तामील, ई-चालान प्रणाली के प्रभावी उपयोग, सीसीटीएनएस के माध्यम से पुलिस एवं न्यायालय के मध्य सूचना समन्वय तथा आईसीजेएस के माध्यम से न्यायालय, पुलिस, जेल एवं अन्य अन्वेषण एजेंसियों के बीच डिजिटल सूचना के निर्बाध आदान-प्रदान की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला के दौरान माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी न्यायिक अधिकारियों को इन डिजिटल प्रणालियों के अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग हेतु प्रशिक्षित किया गया। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विभिन्न मॉड्यूलों के व्यवहारिक एवं तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के. विनोद कुजूर ने अपने उद्बोधन में कहा कि - ई-कोर्ट परियोजना भारतीय न्यायपालिका को आधुनिक, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की ओर अग्रसर करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग न केवल न्यायिक कार्यों की गति एवं गुणवत्ता में वृद्धि करेगा, बल्कि न्यायालयों की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, दक्ष एवं पारदर्शी भी बनाएगा। न्यायिक अधिकारियों द्वारा इन डिजिटल मॉड्यूलों का समुचित एवं नियमित उपयोग न्याय वितरण प्रणाली को नई दिशा प्रदान करेगा तथा आम नागरिकों को समयबद्ध एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के संवैधानिक उद्देश्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यशाला को संबोधित करते हुए दीपक कोशले, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी आधारित न्यायिक व्यवस्था न्याय वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित एवं उत्तरदायी बनाएगी तथा नागरिकों को शीघ्र एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य को और अधिक सशक्त करेगी। रवि महोबिया, व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी), दुर्ग ने सभी न्यायिक अधिकारियों से आग्रह किया कि वे ई-कोर्ट परियोजना के अंतर्गत विकसित सभी डिजिटल मॉड्यूलों का नियमित, प्रभावी एवं उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें, जिससे न्यायालयों में डिजिटल कार्यसंस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। कार्यशाला का समापन सभी न्यायिक अधिकारियों द्वारा ई-कोर्ट परियोजना के विभिन्न डिजिटल मॉड्यूलों के प्रभावी क्रियान्वयन, न्यायालयों में तकनीक आधारित कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने तथा आम नागरिकों को अधिक पारदर्शी, त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

भिलाई निगम का वर्षाजल संरक्षण से भू-जल स्तर बढ़ाने पर जोर

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में भू-जल स्तर को संरक्षित एवं बढ़ाने के उद्देश्य से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर लगातार जागरूकता एवं प्रोत्साहन अभियान चलाया जा रहा है। निगम द्वारा भवन एवं भूमि मालिकों से अपने परिसरों में वर्षाजल संरक्षण के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से स्थापित करने की अपील की जा रही है, ताकि आने वाले समय में जल संकट से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। निगम अधिकारियों ने बताया कि लगातार गिरते भू-जल स्तर को संतुलित बनाए रखने के लिए वर्षा जल का संचयन सबसे प्रभावी और वैज्ञानिक उपाय है। वर्षा के पानी को सीधे जमीन में पहुंचाकर जलभृत को पुनर्भरित किया जा सकता है, जिससे भू-जल की उपलब्धता में वृद्धि होती है और प्राकृतिक जल स्रोत लंबे समय तक सुरक्षित बने रहते हैं। नगर निगम के अनुसार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को सरकारी भवनों, निजी संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, सामाजिक संस्थाओं तथा आवासीय परिसरों में आसानी से स्थापित किया जा सकता है। यह प्रणाली अपेक्षाकृत कम लागत वाली, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक है, जो भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विशेषज्ञों के अनुसार वर्षा जल स्वाभाविक रूप से अपेक्षाकृत स्वच्छ एवं बैक्टीरिया रहित होता है, इसलिए इसके उपयोग के लिए अत्यधिक जल शुद्धिकरण की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके माध्यम से भू-जल का पुनर्भरण होने से सूखे की स्थिति का प्रभाव कम होता है, नदियों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के प्रवाह को बनाए रखने में सहायता मिलती है तथा जल प्रदूषण की समस्या में भी कमी आती है। निगम ने बताया कि सतही जल की तुलना में भू-जल स्वास्थ्य की दृष्टि से अधिक सुरक्षित माना जाता है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल का वाष्पीकरण भी कम होता है, जिससे जल का संरक्षण बेहतर तरीके से हो पाता है और जलभृत की उत्पादक क्षमता में भी वृद्धि होती है। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहरवासियों से अपील की है कि वे वर्षा ऋतु का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने घरों, भवनों और संस्थानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करें। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही जल संरक्षण का यह अभियान सफल होगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त भू-जल संसाधन सुरक्षित रखे जा सकेंगे।

भिलाई निगम ने सेक्टर-6 ए मार्केट की दुकानों का किया सर्वे, संपत्तिकर निर्धारण के लिए माप कार्य शुरू

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में संपत्तिकर निर्धारण एवं आरोपण की प्रक्रिया को गति देते हुए बीएसपी क्षेत्र में निर्मित भवनों एवं भूमियों का परिमाप (माप) और सर्वे कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को सेक्टर-6 ए मार्केट स्थित दुकानों का विस्तृत माप एवं सर्वे किया गया। निगम द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य बीएसपी क्षेत्र में स्थित व्यावसायिक एवं अन्य परिसरों का वास्तविक क्षेत्रफल दर्ज कर संपत्तिकर का वैज्ञानिक एवं पारदर्शी निर्धारण करना है। सर्वे के दौरान दुकानों के आयाम, निर्मित क्षेत्र एवं अन्य आवश्यक जानकारियों का रिकॉर्ड तैयार किया गया, जिससे भविष्य में कर निर्धारण की प्रक्रिया अधिक सटीक और व्यवस्थित हो सके। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि संपत्तिकर सर्वे अभियान चरणबद्ध तरीके से पूरे निगम क्षेत्र में संचालित किया जा रहा है। इससे कर व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी, राजस्व संग्रह में वृद्धि होगी तथा निगम को शहर के विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे। साथ ही सभी संपत्तियों का अद्यतन रिकॉर्ड तैयार होने से कर संबंधी विसंगतियों को भी दूर किया जा सकेगा। इस दौरान निगम की सर्वे टीम ने दुकानदारों से सहयोग की अपील करते हुए आवश्यक दस्तावेज एवं जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया। अधिकांश व्यापारियों ने सर्वे कार्य में सहयोग प्रदान किया।

सर्वे अभियान के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, सहायक राजस्व निरीक्षक प्रहलाद लहरे, गणित बघेल, प्रकाश महिलवार एवं महेन्द्र बाघमारे सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में बीएसपी क्षेत्र के अन्य सेक्टरों एवं बाजारों में भी संपत्तिकर निर्धारण के लिए इसी प्रकार का सर्वे एवं माप कार्य जारी रहेगा।

शिक्षा विभाग के जेडी, डीईओ एवं बीईओ कार्यालयों के स्थान पर आधुनिक कॉम्पोजिट कार्यालय भवन का होगा निर्माण

शिक्षा एवं खेल अधोसंरचना के लिए की चार महत्वपूर्ण घोषणाएं

दुर्ग शहर में सर्वसुविधायुक्त ऑडिटोरियम, खेल प्रतिभाओं के लिए फुटबॉल मैदान सह एथलेटिक्स ट्रैक तथा नीट एवं जेईई की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए 100-100 सीटर छात्र एवं छात्रा छात्रावास की स्थापना की हुई घोषणा

दुर्ग। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन आज दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामगांव (एम) में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय थे। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चन्द्राकर, साजा विधायक श्री ईश्वर साहू, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री राकेश पाण्डेय, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू, स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, दुर्ग संभाग आयुक्त श्री सत्यनारायण राठौर, पुलिस महानिरीक्षक श्री अभिषेक शांडिल्य, आयुक्त समग्र शिक्षा श्रीमती किरण कौशल तथा कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह भी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। नवप्रवेशी बच्चों का आत्मीय स्वागत, अध्ययन सामग्री एवं सायकल का वितरण- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं अतिथियों ने विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी के चयनित विद्यार्थियों को पुस्तकों एवं गणवेश का वितरण किया तथा कक्षा नवमी की पात्र छात्राओं को सायकल प्रदान की। कक्षा पहली के नवप्रवेशी विद्यार्थियों में भूपेन्द्र सिंह पहाड़ी, पार्थ यादव, वीर चंद्राकर, विवान ठाकुर, यश मारकंडे, डाली सिन्हा, दिव्यांशी, लावन्या साहू, लिशिका चंद्राकर एवं मानवी सेन शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें और अपने ज्ञान, प्रतिभा एवं संस्कारों से समाज और प्रदेश का नाम रोशन करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि शिक्षा ही विकास का मूल मंत्र है और राज्य सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल सरकारी नौकरी प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और जीवन में सफलता का सबसे सशक्त आधार है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्मार्ट क्लास, समय पर पुस्तक एवं गणवेश वितरण, अतिरिक्त पौष्टिक आहार, नियमित पालक-शिक्षक बैठक, न्योता भोज जैसी अनेक अभिनव पहलें संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री से ने कहा कि राज्य में वर्तमान में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं तथा 24 नालंदा परिसर विकसित किए जा चुके हैं। दिल्ली में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए 200 सीट क्षमता वाले छात्रावास की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश में कोई भी विद्यालय शिक्षकविहीन नहीं है तथा बस्तर सहित दूरस्थ क्षेत्रों में भी शिक्षा के नए केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं। जगगुंडा में एजुकेशन हब विकसित किया जा रहा है।

समय रहते नहीं की सड़क की नविनिकरण, बारिश में विकराल हुआ समस्या

क्या किसी की बली लेकर मानेगा जिला प्रशासन

बलौदा बाजार। बलौदा बाजार से सिमगा मार्ग इन दोनों अत्यधिक जर्जर स्थिति में पहुंच गया है समय रहते मार्ग का नवीनीकरण नहीं किया गया जिसका हर्जाना अब ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। बलौदा बाजार से शिमला मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं इन गर्घों के चलते ग्रामीणों को अत्यधिक परेशानी हो रही है रोजी- मजदूरी करने वाले ग्रामीणों व स्कूल आने जाने वाले छात्र-छात्राओं सहित आम नागरिक काफी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं।अंतरराष्ट्रीय स्तर के सीमेंट संयंत्रों के कच्चा माल एवं पक्का माल ढोने वाले भारी का वाहनों ने सड़क की ऐसी दुर्दशा कर दी की पैदल चलना भी कठिन हो हो गया है मार्ग में शाम होते ही ओवरलोडिंग का खेल शुरू हो जाता है जो वर्षों से निरंतर जारी है। मार्ग ओवरलोडिंग वाहनों पर कार्रवाई नहीं होने इसके चलते सड़क की स्थिति अत्यधिक जर्जर होते जा रही है। सुहेला, नवापारा, हथबंद पड़कीडीह , करही चांडी, सेमहराडीह, रिसदा, कोकड़ी सहित इत्यादि गांवों के ग्रामीणों ने तत्काल गड्ढों को भरने मांग किया है।

राष्ट्रीय रथयात्रा सेवा शिविर में शामिल हुए दुर्ग के रीतेश कुमार ताम्रकार ...

दुर्ग। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंदरजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव श्री बृजेश कुमार बाजपेयी के निर्देशन तथा जिला अध्यक्ष अशोक देशमुख, जिला मुख्य आयुक्त जीत यादव और जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला कमिश्नर अरविंद मिश्रा के मार्गदर्शन में दुर्ग जिले के रीतेश कुमार ताम्रकार (एडवांस रोवर), सुभाष ओपन रोवर क्रू, दुर्ग का चयन राष्ट्रीय स्तर के रथयात्रा सेवा शिविर के संचालन दल (स्टाफ) में किया गया है।

राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित यह राष्ट्रीय रथयात्रा सेवा शिविर 14 से 18 जुलाई 2026 तक विश्वविद्यालय परिसर, पुरी (ओडिशा) में आयोजित किया गया। इस प्रतिष्ठित शिविर में संचालन दल के सदस्य के रूप में चयन होना जिले के लिए गौरव की बात मानी जा रही है।

रीतेश कुमार ताम्रकार के राष्ट्रीय स्तर पर चयन से स्काउट-गाइड परिवार एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। सभी ने उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे दुर्ग जिला एवं छत्तीसगढ़ राज्य के लिए सम्मानजनक उपलब्धि बताया।

जिला संगठन आयुक्त (बालक) दास राऊत ने रीतेश कुमार ताम्रकार को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट सेवाएं देकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

सीएम पोर्टल की शिकायत पर निगम ने की कार्रवाई, खुले में संचालित मांस-मटन दुकान पर चला अभियान

भिलाईनगर। नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीएम पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर निगम के जोन-3 राजस्व विभाग एवं बेदखली शाखा की संयुक्त टीम ने 18 नंबर रोड, कैम्प-01 क्षेत्र में खुले में संचालित मांस-मटन दुकान के विरुद्ध कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि संबंधित दुकान खुले में मांस-मटन का विक्रय कर रही थी, जिससे आसपास के क्षेत्र में गंदगी फैलने के साथ-साथ आम नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। खुले में मांस विक्रय किए जाने से स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी नियमों का भी उल्लंघन हो रहा था। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए संबंधित संचालक को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर खुले में मांस-मटन का विक्रय करना न केवल स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि इससे संक्रमण एवं दुर्गंध जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। ऐसे मामलों में निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सीएम पोर्टल सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त नागरिक शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर में स्वच्छ, व्यवस्थित एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध बिना किसी भेदभाव के कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नगर पालिक निगम भिलाई ने शहरवासियों से भी अपील की है कि वे स्वच्छता नियमों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अतिक्रमण अथवा सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की जानकारी सीएम पोर्टल अथवा निगम के संबंधित जोन कार्यालय में दें।

स्वास्थ्य कर्मियों की वेतन विसंगति और ऑनलाइन एंट्री सहित कई मांगों पर शासन का ध्यान आकृष्ट

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य विभाग के सचिव भेजा पत्र

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया से प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मचारियों की मूलभूत मांगों की ध्यान आकृष्ट कराते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कैडरों की मांगे शासन स्तर और संचालनालय स्तरों पर लंबित है। इनमें वेतन विसंगति, एक समय पर ओ पी डी संचालन, विभिन्न कैडरों की पदोन्नति , जीवन दीप समिति कर्मचारियों का नियमितीकरण और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर निर्णय लिया जाना चाहिए। सैय्यद असलम ने कहा फील्ड का कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाओं को ऑनलाइन एंट्री करने 20 पोर्टल मे दर्ज कर रहा है। उसके साथ इनकी जानकारी ऑफ लाइन भी रखता है क्योंकि अधिकांश पोर्टल सुरक्षित नहीं है। कई-कई घंटों मे दी गई स्वास्थ्य सेवाओं का विवरण पोर्टल मे दर्ज होता है। इन सब जानकारी के लिए स्वास्थ्य महकमा फील्ड स्वास्थ्य कर्मचारी कब जाएं, यह बड़ी चुनौती है। उसे हितग्राहियों का सेवा विस्तार स्वास्थ्य का विवरण पोर्टल मे दर्ज करने वास्तविक जांच करनी होगी। वहीं इसका लक्ष्य प्राप्त करने फील्ड मे कब जाएं और कब मरीजों को सेवा दे, इस पर कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि इन दिक्कतों के बीच स्वास्थ्य कर्मचारी मानसिक रूप से बीमार हो रहा है। नोडल अधिकारियों का प्रतिदिन वीडियो कांफ्रेंसिंग (वी सी) लेने का अलग रिवाज बन गया है। नोडल अफसर खुद फील्ड में जाते नहीं है लेकिन वीसी मे कर्मचारियों को फ़रमान पे फ़रमान देकर दो दिन तीन मे लक्ष्य पूरा करने दबाव बनाते हैं। इम्पेक्स के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओ पी शर्मा ने इस संबंध मे कहा कि स्वास्थ्य विभाग मे रिक्त पदों को भरना पड़ेगा ओर स्वास्थ्य विभाग के नियमित पदों को जीवंत रखना होगा। निजीकरण से स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ ना होकर बेहाल ओर बेलगाम हो जाएगी। प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने स्वास्थ्य विभाग का विभिन्न कार्यक्रमों के अलग अलग रिपोर्टिंग पोर्टल को एक पोर्टल बनाने का सुझाव देते हुए ओ टी पी की अनिवार्यता समाप्त करने एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रत्येक एच डब्लू सी और स्वास्थ्य केंद्र में नियुक्त करने की मांग रखी है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत बीएसपी में 40 प्रशिक्षुओं का ओरिएंटेशन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास (एचआर-एल एंड डी) विभाग द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के अंतर्गत चयनित 40 प्रशिक्षुओं के लिए ओरिएंटेशन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जुलाई माह में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को औद्योगिक कार्यप्रणाली, संगठनात्मक संस्कृति तथा इस्पात उद्योग की उत्पादन प्रक्रियाओं से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दो दिवसीय ओरिएंटेशन सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रशिक्षुओं को भिलाई इस्पात संयंत्र की कार्यप्रणाली, एकीकृत इस्पात संयंत्र की उत्पादन प्रक्रिया, औद्योगिक सुरक्षा, कार्यस्थल अनुशासन तथा संगठनात्मक कार्य संस्कृति की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके पश्चात दो दिवसीय संयंत्र भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसके दौरान प्रशिक्षुओं ने संयंत्र की प्रमुख उत्पादन इकाइयों का अवलोकन कर विभिन्न औद्योगिक प्रक्रियाओं एवं आधुनिक उत्पादन प्रणालियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का उद्देश्य युवाओं को शैक्षणिक शिक्षा के साथ उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर शिक्षा एवं उद्योग के मध्य की दूरी को कम करना, उनकी रोजगार क्षमता का विकास करना तथा उन्हें भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाना है। यह योजना कुशल एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कार्यक्रम महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) संजीव कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समन्वय में उप प्रबंधक (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) सुष्मिता पाटला, सेक्शन अधिकारी (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) स्वतंत्र कुमार तथा टेक्निकल एसोसिएट (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) मनीष कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com